

हरिभूमि न्यूज़/ रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कार्यशैली और उनके साथ बिताए यादगार पलों को एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर साझा किया। डॉ. सिंह ने कहा, 24 घंटे और 365 दिन देश सेवा में समर्पित रहने वाले नरेंद्र मोदी जैसा दूरदर्शी नेतृत्व सदी में एक बार मिलता है। दंतेवाड़ा के आवासीय विद्यालय में बच्चों संग पीएम के ड्रम बजाने से लेकर, बीजापुर में महिला को अपने हाथों से चरण पादुका पहनाने और 104 वर्ष की वृद्धा कुंवर बाई के पैर छूने जैसे भावुक संस्मरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने पीएम मोदी की असीम संवेदनशीलता और विनम्रता को रेखांकित किया। साथ ही बरस्तर से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन में केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प को निर्णायक बताते हुए डॉ. रमन सिंह ने विश्वास जताया कि देश की जनता के अटूट भरोसे के दम पर नरेंद्र मोदी चौथी बार भी देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत का नेतृत्व करेंगे। विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज़ के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ विशेष बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत हैं।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



सेवा संकल्प दिवस आज

रमन बोले-मोदी का नेतृत्व देश के लिए वरदान, चौथी बार भी बनेंगे प्रधानमंत्री

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की विशेष बातचीत



- **नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात आपकी कब हुई थी और कैसे हुई थी?**
- एक लंबा समय निकल गया है और मुझे लगता है कि नरेंद्र भाई को काम करते हुए अलग-अलग रूप में, कभी एक अच्छे संगठक के रूप में, कभी प्रदेश में मुखिया के नाते मुख्यमंत्री के रूप में, फिर प्रधानमंत्री के रूप में अलग-अलग भूमिकाओं में लंबे समय तक देखने का अवसर मिला। और मुझे लगता है कि मेरी पहली मुलाकात यदि मैं कहूँ तो वो तो बहुत लंबा समय, जब मुरली मनोहर जोशी की यात्रा में प्रमारी थे। यह मुरली मनोहर जोशी की उस यात्रा का अनुभव मेरे साथ जुड़ा है, मगर मोदीजी के साथ जो परिचय बढ़ा, उस समय तो एक सामान्य कार्यकर्ता ► शेष पेज 5 पर

सेवा और संकल्प से विकसित भारत की ओर

कर्मयोगी मोदी जनसेवा के 25 वर्ष



विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। उस दिन से शुरू हुआ जनसेवा का सिलसिला 25 वर्षों से अविराम जारी है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी ने भारत को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता के नए युग में प्रवेश कराया है। यह अवसर मां भारती के महान सपूत के अभिनंदन के साथ ही उनके संकल्पों में सहभागिता का भी है। जब उन्होंने गुजरात के शासन की कमान संभाली, तब राज्य विनाशकारी भुज भूकंप की पीड़ा से जूझ रहा था। इस पीड़ा से उन्होंने न केवल

गुजरात को उबारा, बल्कि उसे भारत का ग्नाथ इंजन भी बना दिया। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र देश को दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को साकार करते हुए उन्होंने अपनी हर योजना के केंद्र में अंतिम व्यक्ति को रखा। डिजिटल वित्तीय समावेशन के माध्यम से उन्होंने देश के करोड़ों गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। जनधन-आधार-मोबाइल की त्रिमूर्ति और डायरेक्ट बेंचिफिट ट्रांसफर के जरिए सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे हितग्राहियों ►शेष पेज 5 पर

51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को मिलेगा सामाजिक सुरक्षा का लाभ, सरकार पर सालाना 11,339 करोड़ रुपये का भार

ईपीएफओ का दायरा बढ़ा, 25 हजार रु. वेतन वालों को अनिवार्य कवरेज

हरिभूमि ब्यूरो ►नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य कवरेज की वेतन सीमा 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रति माह कर दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि इससे 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे में आ जाएंगे। सरकार पर इसका सालाना करीब 11,339 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा। नई वेतन सीमा विश्वकर्मा जयंती यानी गुरुवार से प्रभावी होगी।



सामाजिक सुरक्षा का दायरा होगा व्यापक

सरकार के इस फैसले से कर्मचारियों को भविष्य निधि बचत, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत पेंशन सुरक्षा और कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा योजना (ईडीएलआई) के तहत बीमा सुरक्षा का लाभ मिलेगा। सरकार का मानना है कि वेतन सीमा बढ़ने से औपचारिक रोजगार के दायरे में आने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़ेगी और सामाजिक सुरक्षा का कवरेज अधिक व्यापक होगा।

एक दशक तक नहीं बढ़ी थी वेतन सीमा

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2004 से 2014 के बीच पूरे एक दशक तक ईपीएफओ की वेतन सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ था। सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति माह किया गया था। अब इसे बढ़ाकर 25 हजार रुपये किया गया है। सरकार के अनुसार, पिछले वर्षों में वेतन और आय में वृद्धि तथा औपचारिक रोजगार के लगातार विस्तार को देखते हुए यह बदलाव किया गया है।

स्थिर और उत्पादक कार्यबल को मिलेगा बढ़ावा

सरकार का कहना है कि नई व्यवस्था से कर्मचारियों को अधिक व्यापक सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध होगी। इससे कर्मचारी प्रतिधारण को बढ़ावा मिलने और अधिक स्थिर औपचारिक कार्यबल तैयार होने की उम्मीद है। इसके परिणामस्वरूप टिकाऊ रोजगार और उत्पादकता में भी वृद्धि हो सकती है। यह फैसला समावेशी, मजबूत और भविष्य के लिए तैयार सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक्टर अनंत नाग को मिलेगा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार



एजेसी ►नई दिल्ली

दिग्गज एक्टर अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड 2024 देने का ऐलान हुआ है। उन्हें यह अवॉर्ड 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में दिया जाएगा, जो 22 सितंबर को गुजरात के केवड़िया में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनंत नाग को बधाई दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि दिग्गज अनंत नाग जी को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित

- ❧ केजीएफ से नई पीढ़ी में भी बनाई पहचान, 300 से ज्यादा फिल्मों में किया अभिनय
- ❧ **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई कहा-गहरी छाप छोड़ी**
- ❧ **22 सितंबर को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में मिलेगा सम्मान**

किए जाने पर बधाई। कई दशकों से उनके सहज अभिनय, अद्भुत प्रतिभा और शानदार काम ने भारतीय सिनेमा खासकर कन्नड़ सिनेमा पर गहरी छाप छोड़ी है। उन्होंने जो भी भूमिका निभाई, उसमें उन्होंने असाधारण गहराई और सच्चाई दिखाई। यह वास्तव में एक बेहतरीन कलाकार के लिए बहुत ही योग्य सम्मान है। केजीएफ एक्टर अनंत नाग ने 'पठान' के गाने 'बेशरम रंग' पर मचे बवाल पर रिएक्ट किया था और फिल्म के मेकर्स पर ►शेष पेज 5 पर

वीरता पदक विजेताओं को 1 नवंबर से मिलेगा लाभ मोदी सरकार ने दिया आजीवन मुफ्त रेल यात्रा का 'तोहफा'

पहले यह सुविधा केवल 6 प्रमुख 'चक्र' विजेताओं को मिलती थी एजेसी ►नई दिल्ली

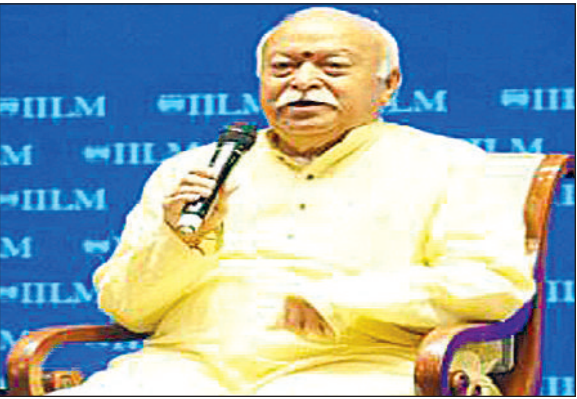


भारत सरकार ने देश के वीर जवानों और उनके परिवारों के सम्मान में एक बड़ा कदम उठाते हुए सेना मेडल, नौसेना मेडल और वायु सेना मेडल (वीरता) से सम्मानित सैनिकों के लिए आजीवन मुफ्त रेल यात्रा सुविधा शुरू करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। पात्र लाभार्थी 1 नवंबर 2026 से आईआरसीटीसी के माध्यम से अपनी मुफ्त टिकट बुकिंग कर सकेंगे। इससे पहले यह सुविधा केवल 6 प्रमुख 'चक्र' वीरता पुरस्कार विजेताओं तक सीमित थी। इस नई व्यवस्था को पूरी तरह से

ऑनलाइन और कागजरहित (पेपरलेस) बनाया गया है। सुविधा का लाभ उठाने के लिए पात्र लाभार्थियों को भारतीय रेलवे रियायत कार्ड पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। ऑनलाइन सत्यापन पूरा होने के बाद ई-पास जारी किए जाएंगे, जिसके आधार पर आईआरसीटीसी वेबसाइट से फर्स्ट क्लास, सेकेंड एसी (2एसी) और एसी चेर कार के टिकट बुक हो सकेंगे। जवान के साथ एक सहयोगी ►शेष पेज 5 पर

संवाद में 10वीं से 11वीं तक के छात्र शामिल

शिक्षा का उद्देश्य केवल करियर निर्माण नहीं है: डॉ. मोहन भागवत बोले



हरिभूमि ब्यूरो ►नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने आई.आई.एल.एम. विश्वविद्यालय एवं बेनयान ट्री विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित संवाद कार्यक्रम में कक्षा 10 से स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) तक के छात्रों से संवाद कर उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। शिक्षकों व छात्रों को संबोधित करते हुए सरसंघचालक ने बताया कि उनका व्यक्तित्व अनुभव है कि नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी से अधिक ईमानदार है, उनमें प्राकृतिक रूप से अधिक साहस है।

प्रतिभा पलायन के विषय पर छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि विदेशों में आपको सब-कुछ मिल जाएगा, लेकिन आपकी पहचान आपको देश से है। आपको अपने देश से बहुत कुछ मिला है। भारत के अन्न जल से हमें अपनी देह मिली है। जितना देह के लिए आवश्यक है, उतना आपने लिए रखें और शेष समाज के लिए, देश के लिए अर्पित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का

उद्देश्य केवल करियर निर्माण नहीं है, शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य निर्माण है। शिक्षा ही मनुष्य को पशु से अलग करती है। मनुष्य निर्माण से ही राष्ट्र निर्माण संभव है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अभी जो फिल्म 'हनुमान अंश' आई है, उसमें 'नीब करोरी बाबा' है। 'स्टीव जॉब्स' भी उनसे मिलने आए थे। स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस की भी स्कूली शिक्षा नहीं हुई थी। भारत में ऐसे बहुत से संतों की नियमित शिक्षा नहीं हुई, लेकिन वो समाज के 'लीडर' बने क्योंकि उनका मनुष्यता का स्तर बहुत ऊंचा था। इसलिए आज आधुनिक शिक्षा के साथ ही मानवता के गुणों को बढ़ाने वाली शिक्षा की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व की सैन्य या आर्थिक महाशक्ति नहीं बनना है। भारत को विश्वगुरु के सिंहासन पर पुनर्स्थापित करना है। भारत में 'मनुष्यता का ज्ञान' भारत की पहचान है। कार्यक्रम की प्रस्तावना आई.आई.एल.एम के चेयरमैन अनिल राय ने रखी।

17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर पीएम मोदी की दीर्घायु की करें कामना : नायब

हरियाणा की तरह पंजाब को भी चाहिए पारदर्शी और विकासोन्मुख सरकार: सैनी



मुख्यमंत्री सैनी ने पंजाब के फिरोजपुर जिले के गोलुका गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित किया

हरिभूमि ब्यूरो ►नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले के गोलुका गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई से लेकर विकास और जनकल्याण तक, केंद्र सरकार ने देशहित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा और समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 17 सितंबर को शाम 6 से 7 बजे के बीच अपने-अपने घरों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाएं और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु की कामना करें। शहीद ऊधम सिंह को किया नमन इस अवसर पर नायब सिंह सैनी ने शहीद ऊधम सिंह को नमन करते हुए कहा कि पंजाब की धरती ने देश को आजादी के लिए अनेक वीर सपूत दिए हैं। शहीद ऊधम सिंह जैसे महान क्रांतिकारियों की कुर्बानी को देश हमेशा याद रखेगा।

हरियाणा की पारदर्शी व्यवस्था और विकास का किया उल्लेख मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के लोग मेहनतकश, प्रतिभाशाली और स्वाभिमानी हैं। पंजाब के विकास को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को ऐसी सरकार की जरूरत है, जो पारदर्शिता के साथ विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर ध्यान दे। उन्होंने हरियाणा का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में पिछले लगभग 12 वर्षों में 2 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं। युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची और पूरी पारदर्शिता ►शेष पेज 5 पर

टेस्ट का डबल पंच

Aur Bhi Zyada

Maha Pack

2in1

Little Sweet

Little Salty

For any trade related query please write to us at info@anmolindustries.com or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on: [f](#) [@](#) [in](#) [v](#)

सिंडीकेट के तार चीनी नेटवर्क से जुड़े

करोड़ों की साइबर धोखाधड़ी में बैंक मैनेजर समेत पांच गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►►नई दिल्ली

स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड के साथ 12.84 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी करने वाले एक साइबर क्राइम सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। इस सिलसिले में बैंक रिलेशनशिप मैनेजर समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस रैकेट के पकड़े जाने पर टेलीग्राम पर सक्रिय चीनी नेटवर्क का खुलासा हुआ है। धोखाधड़ी से हासिल पैसे का एक हिस्सा यूएसडीटी के जरिए विदेश भेजा जा रहा था।

पुलिस के अनुसार यह



मामला हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड जो एक रजिस्टर्ड नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी है की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

शिकायतकर्ता कंपनी को एचडीएफसी बैंक के सिस्टम फाइनैस कंपनी है की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

ख़बर संक्षेप

वाहन जांच के दौरान 25 सौ से अधिक चालान जारी

नई दिल्ली। यातायात पुलिस की नॉर्दर्न रेंज टीम ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए एक प्रवर्तन अभियान चलाया। इस दौरान 2,500 से अधिक चालान जारी किए। यह अभियान संवेदनशील स्थानों पर चलाया गया, जहां सड़कों के अनुशासित उपयोग और सुचारु यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए कर्मियों को तैनात किया गया था। यातायात पुलिस के अनुसार जारी किए गए कुल चालानों में से 2,041 चालान गलत पार्किंग, 383 चालान सड़क पर विपरीत दिशा में वाहन चलाने और 87 चालान काले शीशों के इस्तेमाल के लिए जारी किए गए। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों पर वाहनों की वजह से उत्पन्न होने वाली बाधा से निपटना और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना था। अभियान के दौरान कुल 2,511 चालान जारी किए गए। गलत पार्किंग सबसे आम उल्लंघन पाया गया, जिसके लिए 2,000 से अधिक चालान जारी किए गए। पुलिस ने कहा कि इस तरह के उल्लंघनों से अक्सर मुख्य सड़कें संकरी हो जाती हैं और यातायात अवरोध की स्थिति पैदा होती है।

पत्नी का हत्यारा यूपी के बुलंदशहर से गिरफ्तार

नई दिल्ली। आनंद पर्वत इलाके के बलजीत नगर, पंजाबी बस्ती में सोमवार रात को घरेलू विवाद में अपनी 32 वर्षीय पत्नी की गला घोटकर हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने यूपी के बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान चंद्रपाल भाटी (24) के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपी की बेटी के बयान पर हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस टीम बलजीत नगर पहुंची, जहां महिला एक कमरे के अंदर मृत पाई गई थी। मृतका यहां अपने पति, दो बेटियों और मां के साथ रहती थी। आरोप का ही एक बेटी ने बताया कि तबके करीब 3:45 से 4 बजे के बीच उसने अपने पिता को यह जांच करते हुए देखा था कि मां की सांस चल रही है या नहीं और इसके बाद वह घर से बाहर चले गये। इस संबंध में आनंद पर्वत थाने में एफ.आई.आर दर्ज की गई। आरोपी को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वैवाहिक संबंधों में तनाव और अक्सर होने वाले झगड़ों के चलते उसने पत्नी की गला घोटकर हत्या की थी।

फायरिंग के मामले में दो नाबालिग सहित तीन पकड़े

नई दिल्ली। रोहिणी के सेक्टर 26 में फायरिंग के एक मामले में 18 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही दो नाबालिगों को भी पकड़ा है। पुलिस के अनुसार 12 सितंबर को केएन काटजू मार्ग थाने को बंगाली बस्ती पुनर्वसन स्थानों में गोलीबारी की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता हॉना ने आरोप लगाया कि तीन व्यक्तियों ने उसके भतीजे अर्जुन और उसके दोस्तों के साथ झगड़ा किया, जिस दौरान एक आरोपी ने कथित तौर पर गोली चलाई। इस संबंध में मामला दर्ज किया गया। तत्कालीन निगरानी के आधार पर आरोपी शंतनु (18) और दो नाबालिगों को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा और एक कार्ट्रज भी बरामद किया है। शंतनु का अर्जुन से पूराना विवाद था और वह पहले भी रोहिणी में लूट के दो मामलों में शामिल रहा है।

दो अपराधियों ने भागने की कोशिश में पुलिसकर्मी पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज़ ►►नई दिल्ली

केशव पुरम इलाके में दो अपराधियों ने भागने की कोशिश में एक हेड कांस्टेबल पर हमला किया। आरोपियों के नाम मंगोलपुरी निवासी साहिल उर्फ डड्डा (24) और सनी उर्फ गोलू (25) बताये गये हैं।

पुलिस के मुताबिक, घटना 13 सितंबर को सामने आई। हेड कांस्टेबल रमेश कुमार केशव पुरम में एक गुरुद्वारे के पास गश्त कर रहे थे। उन्होंने नकाबपोश लोगों को संदिग्ध रूप से मोटरसाइकिल चलाते देखा और उन्हें रुकने का इशारा किया। रुकने के बजाय



■ दोनों अपराधी पुलिस ने किये गिरफ्तार

नकाबपोशों ने अपनी बाइक की स्पीड बढ़ाई और पुलिसकर्मी की बाइक को टक्कर मार दी। हेड कांस्टेबल सड़क पर गिर गया। इसके बावजूद भी पुलिस कर्मी ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, तो दो पहिया वाहन पर पीछे बैठे व्यक्ति ने उसके पैर पर लात मारी।

छात्र संघ चुनाव प्रचार के दौरान गोलीबारी और मारपीट

हरिभूमि न्यूज़ ►►नई दिल्ली

उत्तर पश्चिम दिल्ली के भारत नगर इलाके में कॉलेज छात्र संघ चुनाव के लिए प्रचार के दौरान हुए झगड़े में सत्यवती कॉलेज के दो छात्र घायल हो गए। झगड़े के दौरान दो एसयूवी कार भी क्षतिग्रस्त हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना कॉलेज से लगभग एक किलोमीटर दूर हुई। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध कॉलेजों में छात्र संघ चुनाव 18 सितंबर को होगा। पुलिस ने बताया कि घायल छात्रों की पहचान 19 वर्षीय अंश और भविष्य चौधरी के रूप में हुई है। घटना के बाद दोनों को इलाज के लिए दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार शाम वजीरपुर गांव के पास हुई, जहां दोनों विद्यार्थी कॉलेज छात्र संघ चुनाव के प्रचार में शामिल थे। झगड़े के बाद सड़क किनारे खड़ी दो एसयूवी कारों के शीशे टूटे हुए पाए गए। सूत्रों से

मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को छात्रों के बीच झगड़े, मारपीट और गोलीबारी की सूचना मिली थी। इसके बाद एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और उन्हें दो घायल छात्र तथा क्षतिग्रस्त वाहन मिले। शुरुआती जांच में संकेत मिला है कि यह घटना छात्र संघ चुनावों के सिलसिले में कॉलेज में दो गुटों के बीच प्रतिद्वंद्विता से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने झगड़े की वजह की पुष्टि नहीं की है और सभी संभावित कोणों से मामले की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं कि अंश और भविष्य एक ही छात्र समूह से हैं या अलग-अलग समूहों से। पुलिस इस संभावना की भी जांच कर रही है कि झगड़ा किसी पुराने व्यक्तिगत विवाद या दुश्मनी की वजह से तो नहीं हुआ। पुलिस ने कहा कि इस स्तर पर कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।



एमसीडी आयुक्त ने की शहर की स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा

स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेगा निगम : ख़िरवार

हरिभूमि न्यूज़ ►►नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) आज, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित किए जा रहे स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेगा। इस वर्ष अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' है। दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार ने बुधवार को शहर की स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा तथा इसे और मजबूत करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों एवं कठिन/गंदे स्थानों का कायाकल्प,

‘कबाड़ से जुगाड़’, जैसे अभियानों को बढ़ावा

आयुक्त ने कहा कि अभियान के तहत एमसीडी सफाई मित्रों के कल्याण एवं समान से जुड़ी गतिविधियां, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 तथा चार-तरफा स्रोत पृथक्करण एवं कंपोस्टिंग के संबंध में घर-घर जागरूकता अभियान, पौधारोपण अभियान, पर्यावरण-अनुकूल आयोजन तथा विश्व पर्यटन दिवस और स्वच्छ भारत दिवस पर विशेष गतिविधियां भी आयोजित करेंगे। 'कबाड़ से जुगाड़ - वेस्ट टू वेल्थ', 'कबाड़ से कला - वेस्ट टू आर्ट', दान अभियान, आर.आर.आर गतिविधियां तथा प्लास्टिक रीसाइक्लिंग मेले जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सकूलर इकोनॉमी को बढ़ावा दिया जाएगा और स्वच्छता में जनभागीदारी को मजबूत किया जाएगा। आयुक्त ने सभी जोनल उपायुक्तों और विभागाध्यक्षों को अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा दिल्ली में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित पहलों का समयबद्ध क्रियान्वयन और निष्पत्ति निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, 'स्वच्छ पाठशाला - युवा फॉर स्वच्छता', नागरिक जागरूकता एवं जनभागीदारी तथा स्कूली विद्यार्थियों और युवाओं की स्वच्छता गतिविधियों में भागीदारी

गया है। पकड़े गये लोगों के नाम अभय कुमार सोलंकी निवासी थाना खुर्जा देहात, तहसील सिकंदराबाद, जिला बुलंदशहर, लवली निवासी कैलाश नगर, कुरुक्षेत्र, हरियाणा, नमन कुमार निवासी सुमेर नगर, क्यू ब्लॉक, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान, हरमन निवासी गांव मनकासर, तहसील बज्जू, बीकानेर, राजस्थान और विकास निवासी जयपुर, राजस्थान बताये गये हैं। विकास आरबीएल बैंक, जयपुर में रिलेशनशिप मैनेजर था। उसने अकाउंट होल्डर नमन की दो अलग अलग बैंकों में अकाउंट खुलवाने में मदद की थी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दिल्ली में सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का विशेष अभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आज दिल्ली की रेखा सरकार सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना के साथ गुरुवार को चार प्रमुख कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इन्हें कर्तव्य पथ पर सेवा लाख दीयों का प्रज्वलन, त्यागराज स्टेडियम में मेगा रक्तदान शिविर, खाटू श्याम दिल्ली धाम में 108 कुंडलीय यज्ञ और श्रमिकों के लिए 'नमो श्रमिक सेवा केंद्र' का शुभारंभ शामिल है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर दिल्ली सरकार एक माह तक सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। इस दौरान परिवहन, सड़क, सीवररेज, जल शोधन, शिक्षा, बिजली, सार्वजनिक सुविधाओं और शहरी सौंदर्यीकरण से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के अंतर्गत एक विशेष दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गुरुवार को शाम 7 बजे कर्तव्य पथ पर सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों आदि द्वारा सेवा लाख दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में होने वाला यह आयोजन प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को समर्पित होगा। 'जन सेवा से देश सेवा' के मूल मंत्र से प्रेरित यह कार्यक्रम जनभागीदारी और सेवा भावना का सशक्त संदेश देगा। एक रात्र प्रज्वलित होने वाले सेवा लाख दीये नागरिकों की शुभकामनाओं, आशीर्वाद, सहभागिता और राष्ट्रसेवा के संकल्प का प्रतीक बनेंगे। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से गुरुवार की शाम 6 से 7 बजे के बीच अपने घर और आंगन में प्रधानमंत्री के लिए 'आशीर्वाद का दीया' जलाने का आह्वान किया है।



हरिभूमि न्यूज़ ►►नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (ड्यू) चुनाव 2026-27 निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होने चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में ड्यू चुनाव के लिए बुधवार को आयोजित संयुक्त बैठक में यह बात कही। बता दें कि चुनाव के सुचारू रूप से संचालन हेतु यूनिवर्सिटी अधिकारियों, कॉलेजों के प्रिंसिपलों, हॉल्स और हॉस्टलों के प्रोवोस्ट और पुलिस अधिकारियों को एक संयुक्त बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में ड्यू चुनाव की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही चुनाव को सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए जरूरी

व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय और इसके शिक्षकों के लिए सभी विद्यार्थी बराबर हैं। कुलपति ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे किसी भी तरह के पक्षपात से बचें। उन्होंने कहा कि ड्यू चुनाव शांतिपूर्ण और ठीक-ठाक से हों, इसके लिए सभी संबंधित लोग पूर्ण प्रयास कर रहे हैं। बताया गया कि ड्यू चुनाव के लिए वोटिंग कल, 18 सितंबर को होगी। प्रो. योगेश सिंह ने सभी प्रिंसिपलों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने कॉलेजों में अगले 3-4 दिनों तक सुरक्षा को बढ़ाए रखें। सभी कॉलेज अपने यहां एक-एक शिक्षक को नियुक्त करें, जोकि ड्यू चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस के साथ लाइजनिंग का काम करें। कुलपति ने कहा कि चुनाव प्रबंधों में शिक्षकों की भागीदारी ज्यादा से ज्यादा हो, इससे चुनाव अधिक अच्छे से सम्पन्न होंगे। इस अवसर पर डीन ऑफ कॉलेज प्रो. बलराम पाणी, साउथ कैम्पस की निदेशक प्रो. रजनी अम्बी, रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. राज किशोर शर्मा, मुख्य रिटर्निंग अधिकारी डॉ. राजेश सिंह, कल्चर काउंसिल के अध्यक्ष एवं पीआरओ अनूप लाठर और दिल्ली पुलिस की ओर से कई अधिकारियों सहित डीयू के विभिन्न कॉलेजों के प्रिंसिपल, विभागाध्यक्ष और विभिन्न छात्रावासों के प्रोवोस्ट व वार्डन आदि भी उपस्थित थे।

सिगरेट जलाने के लिए माचिस देने से मना करने पर व्यक्ति की हत्या, तीन पकड़े

एजेंसी, नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली में सिगरेट जलाने के लिए माचिस देने से इनकार करने को लेकर हुए झगड़े के दौरान 30 वर्षीय व्यक्ति की कथित रूप से चाकू से वार कर हत्या कर दी गई जबकि हमले में एक अन्य शख्स जख्मी हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह घटना मंगलवार को केशव पुरम इलाके में एक शराब की दुकान के सामने तब हुई जब तीन लोगों ने भवानी और आशाराम से सिगरेट जलाने के लिए माचिस मांगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि माचिस नहीं देने पर उनके बीच तौखी बढस हुई, जिसके बाद तीनों लड़कों ने भवानी एवं आशाराम से मारपीट की एवं उन पर चाकू से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि भवानी को दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने कहा कि उसकी पीठ पर गहरा घाव हुआ था। पुलिस ने बताया कि आशाराम (32) को छाती के पास चाकू लगा था और उसका इलाज चल रहा है। उसे बयान देने के लिए 'अनफिट' घोषित किया गया है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, आसिफ अंसारी, पुत्र: अनवर अंसारी, पता: फ्लैट नं. 99, जी-ब्लॉक, जहाँगीर पुरी, दिल्ली, में **FIR No.: 509/18, U/s: 392/411 IPC**, थाना: जहाँगीर पुरी, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, आसिफ अंसारी मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, आसिफ अंसारी फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 509/18, U/s: 392/411 IPC**, थाना: जहाँगीर पुरी, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, आसिफ अंसारी से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार श्री साहिल गुप्ता न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-07 उत्तर कोर्ट नं.06, भूतल रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/13115/NW/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नवीन कुमार पुत्र प्रताप सिंह निवासी: मकान नं0-122, गली नं0-08, गौतम कोलनी, नरैला दिल्ली, ने **FIR No. 157/2011, U/S 420/468/471 IPC**, पुलिस स्टेशन आई0पी0 एस्टेट, सैट्रल जिला, नई दिल्ली, के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त नवीन कुमार मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त नवीन कुमार फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 157/2011, U/S 420/468/471 IPC**, पुलिस स्टेशन आई0पी0 एस्टेट, सैट्रल जिला, नई दिल्ली, के उक्त अभियुक्त नवीन कुमार से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.12.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार सुश्री प्रीति

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03, सैट्रल जिला, कोर्ट नं0-150, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/13030/CD/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा

संहिता-2023 देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त मुसरफ पुत्र मुजफ्फर अली निवासी 853 /18, गली नं0-9, पुराना मुस्ताफाबाद, दिल्ली, ने **FIR No. 175/2023, U/S 392/356/411/34 IPC**, पुलिस स्टेशन मजनपुरा, उत्तर-पूर्वी जिला, दिल्ली, के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मुसरफ मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मुसरफ फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 175/2023, U/S 392/356/411/34 IPC**, पुलिस स्टेशन मजनपुरा, उत्तर-पूर्वी जिला, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त मुसरफ से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.10.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार सुश्री किरणदीप कौर

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01, कोर्ट नं0-05, उत्तर-पूर्वी जिला, कड़कड़झा कोर्ट, दिल्ली

DP/13126/NE/2026 (Court Matter)

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जीन्द

मुकदमा नम्बर- 274, दिनांक 21.8.2026, धारा 127 (6) बीएनएस, थाना शहर जींद

गुमशुदा की तलाश

नाम- जिन्दगी पिता का नाम-हरिदास पता- सुभाष नगर रोहतक रोड जींद उम्र-23 साल हुलिया- रंग गेहुआ, मध्यम शरीर, लाल रंग का सुट-सलवार पहने हुए है पैरों में ब्लैक रंग के सैण्डल पहने हुए है, कद 5 फुट है। जो बिना किसी को बताए घर से दिनांक 10.8.2026 से गायब हैं। यदि किसी को पता चले तो मोबाइल नं. 8814011511 प्रबन्धक अफसर थाना शहर जींद व 01681-245711 कंट्रोल रूम जीन्द से सम्पर्क करें। प्रबन्धक अफसर थाना शहर जींद पीआरडीएच-1084/11/5352/2027/49337/88/7 दि. 16.09.26



कार्यालय पुलिस अधीक्षक जीन्द

मुकदमा नम्बर- 263, दिनांक 21.08.2026, धारा 127 (6) बीएनएस, थाना शहर जींद

गुमशुदा की तलाश

नाम- तन्तू पिता का नाम-राजेश पता- निजामपुर सोनोपत हाल वासी भटनागर कॉलोनी जींद उम्र -19 साल हुलिया-रंग गेहुआ, मेहंदी रंग की लोवर व सफेद टी-शर्ट, पैरों में चप्पल पहने ने हुए है, कद करीब 5”2 ईंच है। जो बिना किसी को बताए घर से दिनांक 11.04.2026 से गायब हैं। यदि किसी को पता चले तो मोबाइल नं. 8814011511 प्रबन्धक अफसर थाना शहर जींद व 01681-245711 कंट्रोल रूम जीन्द से सम्पर्क करें। प्रबन्धक अफसर थाना शहर जींद पीआरडीएच-1084/11/5351/2027/49335/88/7 दि. 16.09.26



वेटन बढोतरी और सुरक्षा की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

सड़कों पर उतरे डीटीसी के अस्थाई बस चालक, यातायात हुआ प्रभावित

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के अस्थाई बस चालकों ने अपनी मांगों को लेकर बुधवार को दूसरे दिन भी अपनी हड़ताल जारी रखी। जिसके कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार को डीटीसी के कई डिपो के गेटों पर अस्थाई बस चालक जमा हुए और उन्होंने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ बुधवार को सड़कों पर कम बसें उपलब्ध होने पर यात्रियों को आवागमन में परेशानी हुई।

यात्रियों को बसों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। शाम के समय तो स्थिति और खराब हो जाती है। देर शाम दफ्तरों से अपने घरों को लौटने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों को अनुसार, लुटियंस दिल्ली के अधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों में निर्धारित समय शाम 6.30 बजे के बाद रेहड़ी-पटरी लगाने पर भी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कर्नाट प्लेस, जनपथ, पालिका बाजार, रीगल, रिबोली, हनुमान मंदिर और गुरुद्वारा बंगला सहिब के आसपास विशेष निगरानी एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा। इन क्षेत्रों में रेहड़ी-पटरी लगाने वालों का सख्त सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन अधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में यातायात और आवागमन को सुगम बनाने के लिए 14 सितंबर को संयुक्त निदेशक (प्रवर्तन-उत्तर) के साथ हुई बैठक में निर्देश जारी किए गए थे। क्षेत्रीय निरीक्षकों को प्रवर्तन गतिविधियों की समीक्षा करने और अतिक्रमण तथा अनधिकृत रेहड़ी-पटरी लगाने पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि रेहड़ी-पटरी लगाने वालों को निर्देश दिया गया है कि वे 'नो-वॉइंग जोन' या निर्धारित



और सुरक्षा के अभाव के कारण उनका जीवन लगातार कठिन होता जा रहा है। चालकों की मांग है कि शुरुआती मूल वेतन कम से कम 40 हजार रुपए प्रति माह तय किया जाए और साथ ही इस पर महंगाई भत्ता लागू किया जाए। इसके अलावा कानून के तहत न्यूनतम 8.33 प्रतिशत सालाना बोनस अनिवार्य

रूप से दिया जाए और 12 प्रतिशत की दर से भविष्य निधि काटा जाए। चालकों ने मांग रखी है कि गाड़ी का पूर्ण बीमा होने के बावजूद दुर्घटना के मामलों में उनसे वसूले जाने वाले 1,500 रुपए के फाइल चार्ज को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। किसी भी स्थिति में ड्यूटी 12 घंटे से अधिक न कराई जाए और 8

घंटे से ऊपर काम करने पर दोगुनी दर से ओवरटाइम का भुगतान किया जाए। भत्तों और प्रोत्साहन राशि की बात करें तो 50 रुपए प्रतिदिन अर्टेडेंस बोनस दिया जाए, 26 ड्यूटी पूरी करने पर 1,500 रुपए तथा 30 ड्यूटी पूरी करने पर 2 हजार रुपए का अतिरिक्त बोनस मिले। डिपो ड्राइवरों के लिए मॉनिंग

डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन ने चालकों की मांगों को किया समर्थन

डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी ने कहा कि हम डीटीसी के अस्थाई चालकों की मांगों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी बसों के चालक और परिचालक हड़ताल पर हैं। डीटीसी की बसें रोज रोज 60 लाख यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक छोड़ते हैं आज दिल्ली में चक्का जाम हो चुका है। दिल्ली सरकार को इस पर तुरंत सज्ञान लेना होगा और चालक और परिचालकों की सैलरी समान काम का समान वेतन, मेडिकल सुविधा, सारे होलिडे सीएल ईल, बोनस, कर्मचारियों का इश्योरेंस इत्यादि सुविधा तुरंत लागू करें। दिल्ली में चारों तरफ सवारियां सड़कों पर त्राहिमा त्राहिमा कर रही है। सड़कों पर बसें नहीं होने से यात्री परेशान हो चुके हैं।

शिफ्ट ईसॉटिव 150 रुपए और इवनिंग शिफ्ट ईसॉटिव 200 रुपए प्रतिदिन तय किया जाए। इसके साथ ही डीटीसी नियमों की तर्ज पर साल में 2 फुल ड्रेस का भत्ता दिया जाए, प्रति वर्ष 12 आकस्मिक अवकाश सुनिश्चित किए जाएं और ड्राइवरों को अपने राज्य के अलावा अन्य सभी राज्यों में भी निशुल्क बस यात्रा पास की सुविधा मिले। ड्राइवरों ने स्वास्थ्य सेवाओं और दुर्घटनाओं के मामले में मांग की है कि ड्राइवर के पूरे परिवार को पूर्ण मेडिकल सुविधा मिले और प्रत्येक

चालक का 50 लाख रुपए का दुर्घटना/जीवन बीमा कराया जाए। ड्राइवरों का कहना है कि कोई भी चालक जानबूझकर दुर्घटना नहीं करता और उनका परिवार पूरी तरह उनकी नौकरी पर निर्भर होता है, इसलिए सालों से सेवा दे रहे ड्राइवरों को किसी चूक पर सीधे कठोर सजा देने के बजाय सुधार का अवसर दिया जाना चाहिए। और बिना किसी ठोस सबूत या जांच के केवल मौखिक शिकायतों के आधार पर ड्राइवर के वेतन से कोई कटौती न की जाए।

कनॉट प्लेस के आसपास शाम 6.30 बजे के बाद रेहड़ी-पटरी पर लगी रोक

एजेसी ►► नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने 'नो-वॉइंग जोन' में लगातार अतिक्रमण रोधी अभियान चलाने का आदेश दिया और अधिकारियों को अनधिकृत रेहड़ी-पटरी लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बुधवार को पार्लिकानी दी। अधिकारियों के अनुसार, लुटियंस दिल्ली के अधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों में निर्धारित समय शाम 6.30 बजे के बाद रेहड़ी-पटरी लगाने पर भी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि कर्नाट प्लेस, जनपथ, पालिका बाजार, रीगल, रिबोली, हनुमान मंदिर और गुरुद्वारा बंगला सहिब के आसपास विशेष निगरानी एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा। इन क्षेत्रों में रेहड़ी-पटरी लगाने वालों का सख्त सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन अधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में यातायात और आवागमन को सुगम बनाने के लिए 14 सितंबर को संयुक्त निदेशक (प्रवर्तन-उत्तर) के साथ हुई बैठक में निर्देश जारी किए गए थे। क्षेत्रीय निरीक्षकों को प्रवर्तन गतिविधियों की समीक्षा करने और अतिक्रमण तथा अनधिकृत रेहड़ी-पटरी लगाने पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि रेहड़ी-पटरी लगाने वालों को निर्देश दिया गया है कि वे 'नो-वॉइंग जोन' या निर्धारित

■ एनडीएमसी ने 'नो-वॉइंग जोन' में लगातार अतिक्रमण रोधी अभियान चलाने का दिया आदेश

समय के बाद रेहड़ी-पटरी न लगाएं। निर्धारित समय सूर्यास्त या शाम 6.30 बजे तक है। इसके बाद उन्हें उस स्थल से अपना सामान हटाना होगा। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय निरीक्षकों को संवेदनशील स्थानों की पहचान करने और नियमित रूप से मौके पर जाकर निरीक्षण करने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि हटाए जाने के बाद अगर दोबारा अतिक्रमण किया जाता है तो नियमों के अनुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि आवंटित स्थल को किसी भी तरह से नहीं ढकना है, न ही तिरपाल या फिर मौमजामा या ढांचा लगाने की अनुमति है। आदेश में यह भी बताया गया कि रेहड़ी-पटरी वालों को स्थलों पर फोटो सहित अपने तहबाजारी प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्टॉल, टेबल और सामान आवंटित क्षेत्र से बाहर न फैलें। उन्हें पैदल चालकों और यातायात के लिए फुटपाथ तथा सड़कों को खाली रखने व अपने आवंटित स्थलों पर तिरपाल या अन्य ढांचे नहीं लगाने के लिए भी कहा। निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करने पर रेहड़ी-पटरी लगाने का प्रमाणपत्र निलंबित या रद्द किए जा सकता है।

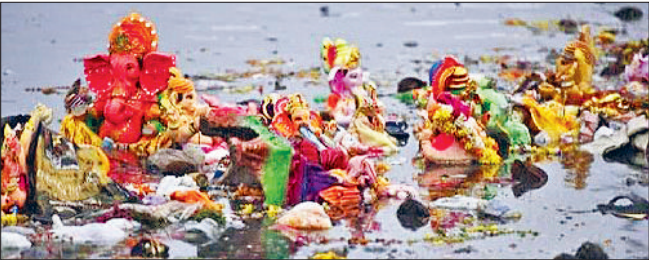
दिल्ली को भारत की 'सोलर कैपिटल' बनाना चाहती है सरकार: सूट
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार दिल्ली को भारत की 'सोलर कैपिटल' बनाना चाहती है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को सोलर वेडर्स और संबंधित हितधारकों को आह्वान करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय राजधानी को देश की 'सोलर कैपिटल' बनाने के लक्ष्य में सहभागी बनें। मंत्री सूद ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस 'स्केल और स्पीड' के साथ काम करते हैं, हम भी उनके अनुयायी हैं और उसी गति से काम करने का प्रयास करेंगे। हम इस परियोजना को अधिक से अधिक गति और बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने पीएम सूट्र धर: मुफ्त बिजली योजना के संबंध में आयोजित सोलर वेडर्स बैठक को संबोधित करते हुए दिल्ली में सौर ऊर्जा को तेजी से बढ़ावा देने के लिए व्यापक रोकड़ का रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्री सूद ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तेज गति से क्रियाव्ययण और बड़े पैमाने पर विकास के विजन से प्रेरणा लेते हुए दिल्ली में सौर ऊर्जा को जल-जन तट पुढेवाना है।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगेगा 50 हजार का जुर्माना

डीपीसीसी ने दिल्ली में यमुना और अन्य जलाशयों में मूर्ति विसर्जन पर लगाई रोक

एजेसी ►► नई दिल्ली

गणेशोत्सव और दुर्गा पूजा के मद्देनजर दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने राष्ट्रीय राजधानी में यमुना और अन्य जलाशयों में मूर्तियों के विसर्जन पर रोक लगा दी है। विसर्जन केवल स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही किया जा सकेगा। जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 33ए के तहत नौ सितंबर को जारी डीपीसीसी के निर्देशों में मूर्ति निर्माताओं और विक्रेताओं को केवल सामान्य मिट्टी, आसानी से गलने वाली सामग्री और प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करने को



कहा गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मई 2020 के संशोधित दिशानिर्देशों के तहत जारी इन निर्देशों में निर्देशों में स्पष्ट किया कि 'प्लास्टर ऑफ पेरिस' (पीओपी) से बनी मूर्तियों को जलाशयों में विसर्जित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। डीपीसीसी ने

कहा कि मूर्तियों के विसर्जन से पानी में गंद जमा होती है और जल की गुणवत्ता खराब होती है। मूर्तियों में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक रंगों और पेंट में पारा, क्रोमियम, सीसा और कैडमियम जैसे जहरीले तत्व हो सकते हैं, जो जलीय जीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद

खतरनाक हैं। समिति ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 13 जनवरी और 16 सितंबर 2015 के उन आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि निर्धारित स्थानों को छोड़कर यमुना नदी में कचरा, पूजा सामग्री, खाद्यान्न, तेल अन्य सामग्री डालना प्रतिबंधित है। आदेश के अनुसार, सभी जिलाधिकारियों को इन नियमों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा, जो डीपीसीसी के पास जमा होगा। जल अधिनियम की धारा 33ए के तहत जारी निर्देशों के उल्लंघन पर छह साल तक की जेल और जुर्माने की सजा हो सकती है।

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यमुनापर के दिलशाद गार्डन स्थित गुरु तेग बहादुर अस्पताल में 250 बिस्तर के सुपर-स्पेशियलिटी कम ट्रॉमा ब्लॉक के निर्माण को स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना की कुल लागत 244.87 करोड़ रुपये होगी।

नया ब्लॉक जीटीबी अस्पताल के मौजूदा परिसर में ही बनाया जाएगा, इसलिए इसके लिए नई जमीन खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। यह ट्रॉमा ब्लॉक प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) फेज-4 के



अंतर्गत बनेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जीटीबी अस्पताल पूर्वी दिल्ली का एकमात्र बड़ा सरकारी अस्पताल है और यहां मरीजों का लगातार भारी दबाव रहता है। अस्पताल के लगभग सभी बिस्तर भरे रहते हैं। ऐसे में दुर्घटनाओं और गंभीर आपातकालीन

मामलों के लिए आधुनिक ट्रॉमा सुविधाओं का विस्तार जरूरी था। नए ब्लॉक के शुरू होने से गंभीर मरीजों को 24x7 इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर के साथ विशेषज्ञ चिकित्सा, जांच, सर्जरी और गहन चिकित्सा की सुविधाएं एक ही स्थान पर मिलेंगी। दिल्ली सरकार

अवैध तरीके से बनी इमारतों में एमसीडी ने की कार्रवाई, 46 जगहों पर की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने खतरनाक भवनों, अनधिकृत निर्माणों तथा दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) और भवन उपविधियों के उल्लंघन के खिलाफ अपने शहरव्यापी प्रवर्तन अभियान को और तेज कर दिया है। भवन मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने और जनसुरक्षा की रक्षा के लिए निगम के सभी 12 ज़ोनों में सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

निगम प्रशासन ने बताया कि बुधवार को चलाए गए गहन प्रवर्तन अभियान के तहत एमसीडी के सभी 12 ज़ोनों में 46 जगह तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।



इसके अलावा, 11 संपत्तियों को सील किया गया, जबकि लागू भवन मानदंडों और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 12 तोड़फोड़ आदेश पारित किए गए। एमसीडी ने मंगलवार को भी व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया था, जिसके दौरान एमपीडी और भवन उपविधियों के

उल्लंघन के मामले में 40 संपत्तियों को तोड़ा गया और 16 संपत्तियों को सील किया गया। एमसीडी ने अपने क्षेत्रीय अधिकारियों को सतर्कता बनाए रखने और एमपीडी, भवन उपविधियों तथा अन्य संबंधित नियमों के लागू प्रावधानों के अनुसार उल्लंघनों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। निगम प्रशासन के अनुसार, बुधवार को प्रवर्तन अभियान के दौरान उत्तर-पूर्वी जोन में कदमपुरी, शाहदरा; प्रसादी मोहल्ला और उस्मानपुर/न्यू उस्मानपुर तथा पूर्वी जोन में शास्त्री पार्क, जबकि सेंट्रल-नॉर्थ जोन में स्वरूप नगर और रानी बाग सहित अन्य स्थानों पर प्रमुख तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।

खुले में पड़े कूड़े का तुरंत किया जाए निपटान : मोनिका

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की उप-महापौर डॉ. मोनिका पंत ने बुधवार को जागूति एक्जेल्वर रियर ब्लॉक में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की टूटी हुई सड़कों एवं गलियों तथा निर्माण कार्यों से स्थानीय निवासियों को हो रही असुविधाओं का जायजा लिया। वहीं, निगम ने नेता सदन जय मंगलान यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संकल्पित स्वच्छ भारत अभियान और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा आरंभ किये गए दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के तहत आज नजफगढ़ जोन के नंगली डेयरी (वार्ड संख्या 124) में स्वच्छता का निरीक्षण किया और क्षेत्र में नागरिक समस्याओं का जायजा लिया। उप-महापौर ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि टूटी हुई सड़कों एवं गलियों की मरम्मत और निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को भी निर्देशित किया कि विकास कार्यों के कारण सड़क एवं गलियों में पड़ा निर्माण मलबा तत्काल हटाया जाए। साथ ही अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। नेता सदन ने बताया कि उन्होंने डेयरियों, गलियों एवं सड़कों के आसपास अतिक्रमण तथा निगम प्राथमिक विद्यालय का भी गहन निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ नजफगढ़ जोन के अध्यक्ष जयवीर सिंह राणा, उपाध्यक्ष सुष्मा राठी, वार्ड 124 से पार्षद सविता, नजफगढ़ जोन के उपयुक्त शोध प्रणाली सिंह एवं सहायक आयुक्त सहित जोन के विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

डीटीसी चालकों की मांगों को तुरंत किया जाए पूरा : आप

नई दिल्ली। डीटीसी के अस्थाई चालकों की हड़ताल पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि बस चालकों की मांगों को तुरंत पूरा किया जाए। आम आदमी पार्टी नेता और विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि दिल्ली में डीटीसी की हड़ताल से लाखों यात्री परेशान हैं, लेकिन माजपा सरकार बेपरवाह बैठी है। ड्राइवर-कंडक्टर अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर हैं, फिर भी सरकार के किसी प्रतिनिधि ने उनसे बातचीत तक नहीं की। हमारी मांग है कि डीटीसी कर्मचारियों की सभी जायज मांगों को तुरंत पूरा किया जाए, हड़ताल खत्म कराई जाए और दिल्ली की जनता को राहत दी जाए। उन्होंने कहा कि माजपा सरकार हर विभाग के कर्मचारियों और दिल्ली की जनता को परेशान करने के बजाय जनता और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करे।



हमारी मांग है कि डीटीसी कर्मचारियों की सभी जायज मांगों को तुरंत पूरा किया जाए, हड़ताल खत्म कराई जाए और दिल्ली की जनता को राहत दी जाए। उन्होंने कहा कि माजपा सरकार हर विभाग के कर्मचारियों और दिल्ली की जनता को परेशान करने के बजाय जनता और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करे।

डीटीसी चालकों की समस्याओं का तत्काल हो समाधान : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बुधवार को डीटीसी बस चालकों की वेतन संबंधी मांगों को लेकर चल रही हड़ताल पर चला व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने वाले बस चालकों की वेतन और सेवा संबंधी समस्याओं का तत्काल समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि माजपा सरकार की लापरवाही का खामियाजा आज दिल्ली की आम जनता भुगत रही है और बड़ी संख्या में बसों के सड़कों से बाहर रहने के कारण आम यात्रियों, कर्मचारियों, छात्रों और रोजाना बसों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में डीटीसी को दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का मजबूत आधार बनाया गया, लेकिन पिछले वर्षों में माजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के कार्यकाल में डीटीसी की अनदेखी हुई और यह व्यवस्था लगातार कमजोर होती गई। यादव ने कहा कि डीटीसी को बचाने के लिए कर्मचारियों के हितों की रक्षा, नियमित भर्ती, बसों की पर्याप्त संख्या और बेहतर कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित करना जरूरी है।



भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यादव ने कहा कि डीटीसी के बस चालकों और कर्मचारी दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी समस्याओं और मांगों को लंबे समय तक नजरअंदाज करने के बजाय सरकार को समय रहते उनके साथ संवाद करना चाहिए था। हड़ताल के कारण बड़ी संख्या में बसें सड़कों से बाहर हैं, जिससे छात्रों, कर्मचारियों, महिलाओं, बुजुर्गों और रोजाना बसों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में डीटीसी को दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का मजबूत आधार बनाया गया, लेकिन पिछले वर्षों में माजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के कार्यकाल में डीटीसी की अनदेखी हुई और यह व्यवस्था लगातार कमजोर होती गई। यादव ने कहा कि डीटीसी को बचाने के लिए कर्मचारियों के हितों की रक्षा, नियमित भर्ती, बसों की पर्याप्त संख्या और बेहतर कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित करना जरूरी है।

■ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट ने दी स्वीकृति

का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों की क्षमता बढ़ाने के साथ लोगों को जरूरत के समय बेहतर और समयबद्ध चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 22,550 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने वाला यह ब्लॉक सात मंजिला होगा, जिसमें बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और उसके ऊपर छह मंजिलें होंगी। इसमें 250 बिस्तर, 48 विशेषज्ञ ओपीडी कमरे और नौ आधुनिक ऑपरेशन थिएटर होंगे। बेसमेंट में ब्लड बैंक और प्रयोगशाला की व्यवस्था होगी। ग्राउंड फ्लोर पर 24x7 इमरजेंसी के साथ सीटी,

एमआरआई और एक्स-रे जैसी जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। दूसरी मंजिल पर 72 बिस्तर का आईसीयू होगा, जबकि चौथी और पांचवीं मंजिल पर 175 सामान्य व निजी वार्ड बिस्तर होंगे। छठी मंजिल पर कार्यालय, कक्षाएं और डॉक्टरों के प्रशिक्षण के लिए लैब बनाई जाएगी। कुल 250 बिस्तर में 20 इमरजेंसी, 5 बर्न आईसीयू, 70 आईसीयू, 4 आइसोलेशन, 22 प्री-पेस्ट सर्जरी, 102 सामान्य वार्ड और 25 निजी कमरे के बिस्तर शामिल होंगे। ब्लॉक में न्यूरो, हड्डी, त्वचा और दंत चिकित्सा सहित विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध होंगी। गंभीर मरीजों के लिए कुल 77 क्रिटिकल-केयर बिस्तर की सुविधा होगी।

जनभागीदारी का उत्सव बन चुकी है हाथ मैराथन : रेखा



हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली में आयोजित होने वाला यह हाफ मैराथन अब केवल खेल प्रतियोगिता नहीं रहा, बल्कि यह दिल्ली की ऊर्जा, विविधता और जनभागीदारी का उत्सव बन चुका है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2026 के फिनिशर मेडल के अनावरण के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का आयोजन कल, 18 अक्टूबर को किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली, खेल भावना और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। यह हाफ मैराथन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर लंबा रास्ता तय करते हुए वहीं समाप्त होगी। इसमें हाफ मैराथन, ओपन 10के, ग्रेट दिल्ली रन, वरिष्ठ नागरिक लौड़ और दिव्यांग चैंपियंस रन जैसी श्रेणियां भी शामिल रहेंगी। इस अवसर में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम 'फिट इंडिया' और 'फिट दिल्ली' की बात करते हैं तो

■ मुख्यमंत्री ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2026 के फिनिशर मेडल का अनावरण किया

■ महिलाओं, युवाओं और दिव्यांग प्रतिभागियों की बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक

ऐसे जनभागीदारी वाले आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने वेदांता समूह, सभी पार्टनर्स, वॉलंटियर्स, एनजीओ और आयोजन से जुड़े सभी संगठनों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन लोगों को स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ समाज को एक साथ जोड़ने का भी कार्य करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष इस आयोजन में 40 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था और इस वर्ष भी दिल्लीवासियों में इसे लेकर खासा उत्साह है। मैराथन में अलग-अलग आयु वर्गों और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों की भागीदारी इसे वास्तव में जनभागीदारी का आयोजन बनाती है। विभिन्न समूहों के साथ-साथ दिव्यांग प्रतिभागियों की भागीदारी भी इस आयोजन को विशेष बनाती है।

खबर संक्षेप

गणपति पंडाल में गुंजे जय श्री राम के जयघोष

फरीदाबाद। गांधी कॉलोनी श्री गणेश पार्क में महाराष्ट्र मित्र मंडल द्वारा आयोजित श्री गणेश उत्सव के अंतर्गत सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद पं. गोविंद पाठक व उनका सहयोग वाचक राम पाठक एवं पुनीत पाठक ने सामूहिक पाठ में सहयोग किया, जबकि संगीत अजीत भारद्वाज और दीक्षांत रावत ने अपनी कला से वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गुरुग्राम। सेक्टर-34 स्थित डीपीजी डिग्री कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए पोस्टर प्रस्तुति, स्लोगन लेखन, रंगोली और इको-फ्रेंडली उत्पाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से ओजोन परत के संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।

प्रवक्ता बनने पर कांग्रेसियों ने किया स्वागत

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश कांग्रेस की नवनियुक्त प्रवक्ता डॉ. रत्ना पांडेय बुधवार को गाजियाबाद पहुंची। जहां जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय पर उनका स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा जी के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह में कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से डॉ. रत्ना पांडेय का जोरदार अभिनंदन किया।

चोरी की 4 मोटरसाइकिल बरामद, 4 गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखाओं की टीमों ने वाहन चोरी के अलग-अलग मामलों में कारवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिससे चोरी की 4 बाइक बरामद की गई हैं। अपराध शाखा सेक्टर-56 ने थाना ओल्ड फरीदाबाद के एक मोटरसाइकिल चोरी के मामले में शाहनवाज निवासी गांव अंधरोला जिला पलवल को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है।

साइबर ठगी के मामले में तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर ठगी के मामलों में सलिलत आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने मामले में खाताधारक सहित तीन को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेमराम निवासी गांव गुलाबपुरा जिला नागौर राजस्थान, मुदित पारिक निवासी श्रीरामपुरा पारिक मोहल्ला जिला जयपुर राजस्थान तथा मुकेश जाखड़ निवासी गांव पनवालिगां जिला नागौर राजस्थान के रूप में हुई है।

पुरानी रंजिश के चलते व्यक्ति की हत्या,गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना सदर बल्लभगढ़ क्षेत्र के गांव ताजपुर में पुरानी रंजिश के चलते मुकेश कुमार की हत्या के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-48 ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहित उर्फ ताकी के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मृतक मुकेश कुमार का कुछ माह पहले प्रवीन व आलोक के साथ विवाद हुआ था।

दोनों स्कूलों में की विद्यार्थियों की सुविधाओं के लिए 10-10 लाख देने की घोषणा

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने फरीदाबाद के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 10 और राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल दौलताबाद का दौरा...

अभिभावकों व शिक्षकों के संयुक्त प्रयासों से होता है बच्चों का समग्र विकास : राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज»फरीदाबाद

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने बुधवार को फरीदाबाद जिला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-10 और राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल दौलताबाद का दौरा किया। राज्यपाल ने इन स्कूलों में शिक्षा, पेयजल, साफ-सफाई, बिजली सहित सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने इन स्कूलों की प्राइमरी विंग के क्लासरूम में जाकर बच्चों से सीधा संवाद किया। राज्यपाल ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा जीवन में अच्छा नागरिक बनने के लिए भी विशेष रूप से प्रेरित किया।राज्यपाल प्रो. असीम



कुमार घोष और हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष का विद्यालय में पहुंचने पर डीसी आयुष सिन्हा और स्कूल मैनेजमेंट कमिटी ने स्वागत एवं अभिवादन किया।

अनुशासन और नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने स्कूल की विजित करने के बाद कार्यक्रम में कहा कि बच्चों का समग्र विकास सभी संभव है, जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेल, स्वास्थ्य, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करना आवश्यक

है, जिसमें स्वच्छ पानी, शौचालय और खेल सामग्री प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि इन सुविधाओं के विकास के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है और इस दिशा में विशेष बजट भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यपाल ने दोनों स्कूलों में आर्थिक रूप से जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्ट्राइफंड देने और स्कूलों में विकास कार्य के साथ विभिन्न सुविधाओं के लिए 10-10 लाख रुपए की राशि देने की भी घोषणा की।

15 करोड़ की कोकीन के साथ विदेशी गिरफ्तार

दिल्ली एनसीआर में फैला था नेटवर्क बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे

हरिभूमि न्यूज»फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच के दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर के पास से तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 15 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी पिछले कई वर्षों से अवैध रूप से भारत में रहकर ड्रग्स तस्करी के इस काले साम्राज्य को चला रहे थे।

क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि दिल्ली से सटे फरीदाबाद के बॉर्डर इलाके में नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप लाई गई है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जाल बिछाया और घेराबंदी कर आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने जब इनके ठिकानों पर छापेमारी की, तो वहां से भारी मात्रा में उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद हुई। पुलिस के अनुसार बरामद की गई ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई है।

लक्कड़पुर स्थित मकान से 2.337 किलो कोकीन समेत 3.741 किलो मादक पदार्थ मिला- फाइम ब्रांच एनआईटी और एनसीबी दिल्ली की टीम ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई की...

- तीनों आरोपी मकान में किराए पर रह रहे थे
- दस और विदेशी भी जांच के घेरे में



आरोपी नाइजीरिया और कैमरून के मूल निवासी

मामले का खुलासा करते हुए एसपी क्राइम अमन यादव ने बताया कि पकड़े गए आरोपी नाइजीरिया और कैमरून के मूल निवासी हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार ये लोग साल 2018 में भारत आए थे। इसके बाद पिछले लगभग तीन वर्षों से ये फरीदाबाद के लक्कड़पुर इलाके में किराए का मकान लेकर रह रहे थे और यहीं से अपने नेटवर्क को संचालित कर रहे थे।

हैराणी की बात यह है कि गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने इनसे पूछताछ की और इनके दस्तावेजों की जांच की, तो इनके पास से कोई भी वैध वीजा या पासपोर्ट बरामद नहीं हुआ। पुलिस अब इस बात की भी गहनता से जांच कर रही है कि बिना किसी वैध दस्तावेज के ये इतने समय से भारत में कैसे रह रहे थे और इन्हें स्थानीय स्तर पर किसका संरक्षण प्राप्त था।

पुलिस का उद्देश्य ड्रग सिंडिकेट की जड़ तक पहुंचना

पुलिस अब आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। पुलिस का मुख्य उद्देश्य इस पूरे ड्रग सिंडिकेट की जड़ तक पहुंचना है। रिमांड के दौरान पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि इतनी बड़ी मात्रा में कोकीन इनके पास कहाँ से आई थी, इसका मुख्य सप्लायर कौन है और दिल्लीएससीआर में इनके संपर्क किन-किन लोगों से थे। इस बड़ी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जब लक्कड़पुर और उसके आसपास के इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया, तो उन्हें 9 अन्य विदेशी नागरिकों के बारे में भी महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। पुलिस फिलहाल इन सभी 9 संदिग्धों के रिकॉर्ड खंगाल रही है और उनके वीजा व पासपोर्ट की वैधता की जांच की जा रही है। पुलिस का अंदेशा है कि इस ड्रग नेटवर्क के तार और भी गहरे जुड़े हो सकते हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस को इस मुस्तीबी ने दिल्ली एससीआर में सक्रिय ड्रग माफियाओं को एक बड़ा झटका दिया है। नशे के इस अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए उनका यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ननि मुख्यालय चलाया गया सफाई अभियान सी एंड डी वेस्ट को जेसीबी व ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से हटाया



हरिभूमि न्यूज»फरीदाबाद

नगर निगम आयुक्त यशेंद्र सिंह के निर्देशों पर नगर निगम फरीदाबाद मुख्यालय परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान निगम परिसर में पड़े सी एंड डी वेस्ट (निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट) को जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से उठाकर परिसर को साफ-सुथरा किया गया।

अभियान के दौरान निगम परिसर के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण करते हुए वहां पड़े निर्माण सामग्री एवं अन्य सी एंड डी वेस्ट को हटाया गया। जेसीबी की सहायता से कच्चे को एकत्रित कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से निर्धारित स्थान पर भेजा गया।

पड़े कचरे को तत्काल हटाने के निर्देश

निगम अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम आयुक्त यशेंद्र सिंह द्वारा निगम कार्यालय एवं उसके आसपास के परिसर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने तथा अनावश्यक कचरे से पड़े कचरे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में निगम मुख्यालय परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

कचरा खुले स्थान पर न डालें

नगर निगम प्रशासन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी अपील की कि निगम परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार का कचरा अथवा निर्माण सामग्री अनावश्यक रूप से खुले स्थान पर न डालें।

50लाख का नकली सप्लीमेंट व एलोपैथिक औषधियां बरामद

पकड़ा गया नकली सप्लीमेंट, एलोपैथिक औषधियों का जखीरा, 5 को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज»गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने फर्जी तरीके से सप्लीमेंट, एलोपैथिक औषधियां तैयार कर धोखाधड़ी से अवैध बिक्री करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

उनके कब्जे से 50 लाख रुपये की नकली सप्लीमेंट व एलोपैथिक औषधियां बरामद हुई हैं।



पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने बताया कि स्वाट/सर्विलांस टीम ट्रांस हिण्डन जोन व थाना

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन का जबरदस्त प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज»फरीदाबाद

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन के सैकड़ों कर्मचारियों ने अधीक्षक अभियंता यमुना जल सेवार्थ परमंडल के कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया तथा जमकर सरकार विरोधी नारे लगाए। इसके बाद प्रमुख अभियंता सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग पंचकूला के नाम 18 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भी आर बत्रा अधीक्षक अभियंता को सौंपा। यह प्रदर्शन राज्य कमिटी के आह्वान पर किया गया। आज के प्रदर्शन में पब्लिक हेल्थ, सिंचाई विभाग और लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान देवी सिंह तथा संचालन जिला सचिव राजकुमार ने किया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए नेताओं ने बताया कि 8 जुलाई 2026 को यूनियन की बैठक सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के साथ हुई थी। इस बैठक में अनेक मांगों पर सहमति बनी, लेकिन सरकार ने मांगों को लेकर नीतिगत मामलों में सरकार के समक्ष प्रत्येक मांग को भेज कर समाधान करने का आश्वासन दिया। लेकिन



दो माह का समय बीतने के बाद भी सरकार ने प्रोसीडिंग में उल्लेखित मांगों का समाधान नहीं किया। यूनियन की मुख्य मांगों में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में अनुपातिक नाम से ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारियों के पदों में कटौती नहीं करने और कार्य के विस्तार के अनुसार नए पद सृजित करने की मांग की थी। जिला अध्यक्ष जगदीश चंद्र ने बताया कि सिंचाई विभाग के कर्मचारियों को उनके कार्य स्थलों पर काम करने के लिए औजार नहीं दिए जा रहे हैं। आज के प्रदर्शन में अंकित बैसला, करतार सिंह, अरुण कुमार, पदमवीर, मोहन, सोहन पाल, मोहनलाल शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, कंवर सेन, कुलदीप कुमार, श्यामलाल अरुण कुमार, सोनू उपस्थित रहे।

आगरा कैनाल रोड पर बदमाशों के साथ मुठभेड़ चोरी की वारदातों में वांछित दो बदमाश घायल बड़ी वारदात की फिराक में थे दोनों आरोपी

हरिभूमि न्यूज»फरीदाबाद

अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-85 व सेंट्रल की टीम ने 15-16 सितंबर की देर रात थाना खेड़ी पुल क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान चोरी की वारदातों में वांछित दो बदमाशों को काबू किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। घायल बदमाशों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनकी स्थिति सामान्य है। आरोपियों की पहचान सोनू और राहुल के रूप में हुई है। दोनों आपराधिक वारदात को अंजाम देने की नीयत से फरीदाबाद आए थे।

नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम पर बदमाशों ने की फायरिंग



सूचना के आधार पर नाकाबंदी की

सहायक पुलिस आयुक्त वरुण कुमार ढहिया ने बताया कि 15-16 सितंबर की रात अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम को सूचना मिली थी कि फरीदाबाद के चोरी की वारदातों में वांछित दो आरोपी किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर अपराध शाखा सेक्टर 85 व सेंट्रल की टीम ने आगरा कैनाल रोड पर नाकाबंदी की। इसी दौरान दोनों आरोपी मोटरसाइकिल पर आते दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर आरोपियों ने मोटरसाइकिल वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर करीब 5-6 राउंड फायरिंग की। पुलिस टीम की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को काबू कर कर उपचार के लिए सिविल अस्पताल फरीदाबाद पहुंचाया।

दोनों आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। सोनू के खिलाफ दिल्ली में लूट एवं चोरी के सहित करीब 26 मामले, जबकि राहुल के खिलाफ करीब 11 आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। दोनों आरोपी फरीदाबाद के थाना ओल्ड फरीदाबाद तथा थाना सेक्टर-31 क्षेत्र में हुई चोरी की वारदातों में भी वांछित हैं। अपराध शाखा की टीम ने उनके एक साथी शिवम मोहन नगर उत्तम नगर दिल्ली की 15 सितंबर को गिरफ्तार किया था, जिसकी पूछताछ में आरोपितों द्वारा वारदात करने का खुलासा हुआ था।

पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जीन्द

मुकदमा नम्बर- 219, दिनांक-29.6.2026, धारा 127 (6) बीएनएस, थाना शहर जींद

गुमशुदा की तलाश

नाम- इशू उर्फ छोटी पिता का नाम-रामफल पता- दुर्जनपुर उम्र- 18 साल हुलिया- रंग गेहुआ, मध्य दुरुस्त शरीर, जिस कि पेंट व हरे रंग कि टी-शर्ट, आखों पर चश्मा पहने हुए है, कद 5'2 ईंच है। जो बिना किसी को बताए घर से दिनांक 28.06.2026 से गायब है। यदि किसी को पता चले तो मोबाइल नं. 8814011511 प्रबन्धक अफसर

थाना शहर जींद व 01681-245711 कंट्रोल रूम जीन्द से सम्पर्क करें।



प्रबन्धक अफसर

थाना शहर जींद

पीआरडीएच-1084/11/5350/2027/49327/88/7 दि. 16.09.26

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त मुस्तकिन उर्फ राजू पुत्र मो. आलम, निवासी म. नं. डी-1/364, जेजे कॉलोनी, मलरुसा डेयरी, दिल्ली ने केंस एफआईआर नं. 579/2021, अंतर्गत धारा 457/380/411/34 आईपीसी, थाना स्वरूप नगर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मुस्तकिन उर्फ राजू मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मुस्तकिन उर्फ राजू फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त अशोक कुमार सिरोंधी, सीसी संख्या 2386/2020 धारा 138 एनआई अधिनियम, थाना करोल बाग, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त अशोक कुमार सिरोंधी मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त अशोक कुमार सिरोंधी फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त अशोक कुमार सिरोंधी, सीसी संख्या 2386/2020 धारा 138 एनआई अधिनियम, थाना करोल बाग, दिल्ली न्यायालय के सम्मक्ष या मेरे सम्मक्ष उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 17.10.2026 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से सुश्री उर्वी गुप्ता न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पुन आई एक्ट-01 कमरा नंबर 201, सीबीए -II तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/13103/CD/2026

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रोहतक

अभियोग संख्या 259 दिनांक 11.09.26 धारा 127 (6) BNS थाना कलानौर जिला रोहतक। गुमशुदा की पहचान बारे नाम-गोपाल पिता/पति का नाम – जोगीराम पता-निवासी वार्ड न. 3 रेलवे रोड कलानौर रोहतक उम्र- 44 वर्ष कद- 5 फुट 6ईंच । हुलिया- रंग गेहुआ, लम्हूतरा चेहरा, जो क्लेटी रंग पंजामा पहने हुए है कार सरकार निवेदन है कि 11.09.26 मुर्दा बिजेन्द्र पुत्र श्री जोगीराम पता-निवासी वार्ड न. 3 रेलवे रोड कलानौर रोहतक रोहतक उपरोक्त ने हाजिर थाना आकर एक दरखास्त घर से लापता की गई अभियोग पंजीकृत हुआ है। जो मेरा भाई गोपाल जो मंद बुदि है यदि किसी थाना में या किसी व्यक्ति को इस बारे में कोई जानकारी/सूचना प्राप्त होती है, तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करें।

1. प्रबन्धक थाना कलानौर रोहतक 7082999126, 9467165571
2. पुलिस कन्ट्रोल रूम रोहतक 01262-247200

पीआरडीएच-1084/11/5348/2027/49314/88/7 दि. 16.09.26



प्रधानमंत्री व
दूरगामी दृष्टि
का बिस्वा संगम
17 सितंबर को उ
के रूप में मना
जी के एक राज
यात्रा को स्व
बलिक यह उ
समर्पण जात
वैश्विक मह
करता है। पीएम म
2047 तक भार
राष्ट्र के
सरकार
नागरिक
जह

गुजरात के वडनगर



गुजरात के वडनगर से विश्व पटल तक

सेवा, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व के गौरव

हाल ही में सम्मन हुए 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी जी ने दुनिया को 'पेरि-पिलर विजन' (पंचोलीपान, नवाचार, सहयोग और सतत विकास) के साहसिक संस्थाओं में सुधार का 10-सूत्रीय रोडमैप दिया है। वैश्विक पटल पर भारत को इस नेतृत्वकारी भूमिका के पीछे पीएम मोदी जी के चरित्र में पौरुष और साहसिक फैसले और जनकल्याणकारी नीतियाँ हैं। उनके कार्यकाल में हमने देश की दिशा और दशा को तय करने वाले ऐतिहासिक कार्य देखे हैं। अगस्त 2019 में लिंगा याग अनुच्छेद 370 को समाप्त और जम्मू-कश्मीर को पूर्ण एकीकरण का फरमाना वसूले भारत के इतिहास के सबसे साहसिक और ऐतिहासिक कदमों में से एक है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त कर उसे मुख्यधारा से जोड़ना गया। इसके परिणामस्वरूप बड़ा देशकों से चला आ रहा अतृप्तवाद और अंतर्गतवाद समाप्त हुआ है। आज रहस्यमय में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुँच रहे हैं। पर्यटकों की दारु खन लें चुका है। वहाँ का युवा शिक्षा, खेल, और स्टार्टअप के माध्यम से देश की प्रगति में अत्यंत योगदान दे रहा है। यूपीया मंदिर की तैयारी भारत जनसंघ के संस्थापक हैं। यूपीया मंदिर की तैयारी के सबसे बड़ा स्वप्न और संकल्प को पूरा किया। डॉ. मुजुमी ने ही आज से सत्ता दायक पहले कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू किया था।

ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण है। सचिवों पुराने संसदीय और कानूनी विवाद का शांतिपूर्ण व सहैतुमय समाधान मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह न केवल करोड़ों भारतीयों की आस्था का लोहा आज पूरी दुनिया में रहा है।

छिछले कुछ वर्षों में देश के ईश्वरचक्र में क्रांतिकारी बदलाव आया है। पीएम गाँवशिवक योजना के तहत रजमारी के निर्माण को रस्तात देयुनी में ज्यादा हो चुकी है। रेलवे के धेंड

में पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बनी सेमी-हार्ड स्पीड 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेन और रेलवे स्टेशनों का आधुनिक पुर्नविकास (अगत भारत स्टेशन योजना) ने भारत को नई पहचान बन चुकी है। इसके साथ ही देश के सुदूर इलाकों के हवाई कनेक्टिविटी देने वाली 'उड़ान' योजना ने आम आदमी के हवाई सफर के सपने को सच किया है।

गोरी और वंचितों के जीवन सफर को उठाने के लिए मोदी सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित किए हैं। प्रधानमंत्री गाँव कल्याण और योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के अहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपय तक का मुफ्त इलाज, और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों परिवारों को परबत कर दिए गए हैं। हर घर जल' मिशन के जरिए ग्रामीण परिवारों तक नल से साफ पानी पहुँचाकर बुनियादी जीवन स्तर में अभूतपूर्व सुधार किया गया है।

देश के भीतर बुनियादी सुधारों से लेकर ब्रिक्स 2024 को ऐतिहासिक कूचीत सफलता तक पीएम मोदी का विजन केवल भारत को सही सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे भारत को वैश्विक मंच पर 'विश्वरूप' और संकटमोचक के रूप में स्थापित कर चुके हैं। वहाँ 'मेक इन इंडिया' के तहत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाता हो या सामाजिक न्याय को स्थापना-उन्की नीतियाँ 'राष्ट्र प्रथम' ध्येय से प्रेरित हैं। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की और बढते भारत के लिए उन्का यह दूरदारी संकल्प देश के 140 करोड़ नागरिकों को एक सूत्र में पिरोकर 'विकास भारत' के सपने को साकार करने का अटुट विधान है।

मोदी युग में बड़ा बदलाव, पूर्वोत्तर को मिली नई जीवन 'धारा'

तो ही युग की सबसे सशक्त योजना। शायद किसी एक सचिव, जे.एन. सुभार या बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है। यह से कहीं अधिक गहरे दायित्व में निहित है—एक भारतीय राज की मुद्राशास्त्र का विस्तार। राष्ट्रीय की संस्था में अपने काल के दौरान वर्ष 2017 में 2022 तक पांच वर्षों तक उन्हें धारणाओं को रूप में निरूपित से देखा। इसी समय और सार्वजनिक जीवन में उनके साथ अपने घर के आधार पर, जो उनके जर्मनिक के अन्तर पर विचार साझा करना चाहता है। अक्टूबर 2001 में विचार में निष्ठाईत सरकार की गवाहों संभवतः से लेकर

है एक तक सरकारी कर्ष की सुविधाओं का पूरा लाना नहीं एह पाता था। लोगों की क्वे आकाशओं को राष्ट्रीय विमर्श में स्थान नहीं मिल पाता था। मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है। शासन की सोच अब यौधे-धरे चरमालात्मक के बजाय संवेद्यों पर, बहिकरण के बजाय समावेसन और कर्कल अकिफाते के बजाय सविनयकरण पर केंद्रित होना है। अब प्रत्यक्ष यह है कि सरकार ने कोई योजना शुरू की है या नहीं, बल्कि यह है कि जिस व्यक्ति को उस योजना का लाना पहुंचने की सबसे कम संभावना थी, क्या वास्तव में वह व्यक्ति भी उससे लाभान्वित हुआ है।

स्वतंत्रता के बाद आना खला रेशेन स्थान मिला। एम्स गुवाटीर पुनर्गत का पहला एमस एमस। असम का सेमीकंडक्टर संयंत्र इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। लोगों की दार्ता है—यह उस विचार को समझने लाता है कि भारत के सबसे उन्नत प्रौद्योगिकी-आधारित उद्योगों में से एक का विकास ऐसे क्षेत्र में भी हो सकता है, जिनसे कभी मुख्यतः भौगोलिक रूप से दृश्य माना जाता था।

जब जनजातीय समुदाय विकास की प्राथमिकता बना

2014 से प्रधानमंत्री मोदी की जिम्मेदारियों संपन्नाने (विचारित) सरकार के प्रत्यक्ष के रूप में 25 से अधिक वर्षों के अनुभवों मोदी ने लगातार एक सरकार, किंतु वर्तमानकारी विचार को आगे बढ़ाया है- "सरकार का विकास।"

इसके केंद्र में एक और विचार है, जो उनको समावेशी जीवन की पहचान बना गय है। (जिसकी किसी ने नहीं जाना, उसको मोदी ने पूजा।) जो लोको अर्थव्यवस्था, अर्थव्यवस्था सुधारों से बौद्धिक रूप था, ये अब भारत की एक समग्र दृष्टि के हासिल पर गती रह गयी है। शास्त्र की मोदी का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है- सिर्फ विकास को दान क्यों तब पहुंचाना ही नहीं। कुछ गंभीर मुद्दों पर

मुख्यधारा के केंद्र में कोन है इसकी पैरिफरिक्

संलग्नता के बाद कई रणकों को भारत की विकास संबंधों में एक निहित करने और परिधि दिखाई देने था। कुछ देशों में मुद्रा माना जाता था। कुछ गंभीर मुद्दों पर

जनाजातीय समुदानों के प्रति दृष्टिकोण में भी यही दृष्टि दिखाई देती है। दृष्टिकोण अब छिटपुट कल्याणकारी उपायों से आगे बढ़कर निरंतर, लक्षित और समग्र सरकारी तरीके से समान प्रदान की ओर बढ़ा है। फिल्ले एक दायक में जनाजातीय कार्य मंत्रालय के वर्तमान में 243 प्रतिष्ठत की वृद्धि हुई है। पीपुल-जनाजातीय के अंतर्गत 575 विधायक रूप से निर्वचन जनाजातीय समूहों को शामिल किया गया है। आगम, सड़क, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं या अन्य विधायक निवेश आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

भरती आजाजातीय ग्राम उत्थान अभियान ने इस दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाया है। इसके तहत जनाजातीय बहुल गांवों और शहरी रूप से निर्वचन जनाजातीय समूहों की कलियों में लंबे समय से विधायन विकास संबंधी कमियों को दूर करने के लिए विभिन्न सामाजिक विभागों के समान प्रदान करने के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य केवल विचारों पर रह रहे समुदानों को कल्याणकारी सहायता प्रदान करना नहीं है। इसका उद्देश्य उन्हें देश के भविष्य में पूरी और साक्षिक भागीदारी के विकास-व्यवस्थाओं से सार्वत समान है।

इसके केंद्र में "पिछले समय के रूप में इसी जगह।" वास्तविक विविधता जनाजातीय समूहों के अंतर्गत आगम, सड़क, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं या अन्य विधायक निवेश आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

भरती आजाजातीय ग्राम उत्थान अभियान ने इस दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाया है। इसके तहत जनाजातीय बहुल गांवों और शहरी रूप से निर्वचन जनाजातीय समूहों की कलियों में लंबे समय से विधायन विकास संबंधी कमियों को दूर करने के लिए विभिन्न सामाजिक विभागों के समान प्रदान करने के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य केवल विचारों पर रह रहे समुदानों को कल्याणकारी सहायता प्रदान करना नहीं है। इसका उद्देश्य उन्हें देश के भविष्य में पूरी और साक्षिक भागीदारी के विकास-व्यवस्थाओं से सार्वत समान है।

जीवन के

76

ऐतिहासिक पड़ाव

इसका असर दिखाई देता है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का घरेलू कोयला उत्पादन लगातार दूसरे वर्ष एक अरब टन के पाए पहुंचे। प्रथम आंकड़ों के अनुसार, इस देयता 1.04 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ। इस राष्ट्रीय उल्लेखनीय में साइड ईस्टर्न कोयलाभंडार (लिफ्टेड वेयर) एआईसीएल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कार्यरत कोयला बैंडिया की इस भूमिका कंपनी ने अपनी स्थापना के वर्ष 1985-86 में 3.42 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। आज कोयला बैंडिया के उत्पादन में एआईसीएल की हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत और देश के कुल कोयले उत्पादन में लगायत 17 प्रतिशत है। इस सफर के पीछे 36 हजार से अधिक निमित्त कर्मचारियों, 24 हजार सविदा कामगारों और बड़ी संख्या में जुड़े परिवारजनकाओं, आगुतिकाओं तथा सेवा प्रदाताओं का योगदान है।

वर्ष 2014 के बाद एआईसीएल में आया बदलाव उत्पादन बढे के साथ कार्यक्षमता, तकनीकी और जिम्मेदारों के बिस्तरों की कहानी भी है। वर्ष 2013-14 में कंपनी का कोयला उत्पादन 12.426 करोड़ टन था, जो 2025-26 में बढ़कर 17.628 करोड़ टन हो गया। इसी अवधि में उपभोक्ताओं को कोयले की आपूर्ति 12.203 करोड़ टन से बढ़कर 17.863 करोड़ टन पहुंच गई। यह 46 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। कंपनी आज 13 घण्टी कोयले की आपूर्ति कर रही है। इस की उल्लेखनीय बदलाव उत्पादकता में आया है। प्रति श्रमिक, प्रति पाली उत्पादन 7.23 टन से बढ़कर 16.47 टन हो गया है।

पिछले 25 सालों से अनवरत लगातार रोहतक बस्ती रहने के पीछे की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस बस्ती से पाते हैं जो अपने छोटे भाई को पीन पर रखकर लगातार कुछ पहाड़ पर चढ़ती जा रही है, जब लड़कों से एक आदमी पहुँचा है कि तुम्हें यह छोड़ नहीं लाया था है तो वह भीर से मुस्कुराते हुए कहती है कि यह मेरा अपना छोटा भाई है। संभवतः यह मुझे यहाँ लगातार बस्ति उसके पीन पर चढ़ने से प्रेरित और ताकत मिलती है। मैं अपनी और कुछ पहाड़ चढ़ना चाहती हूँ। इस बस्ती से प्रेरण पाते वहाँ हमारे यशस्वी और कष्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के विकास पर हर पल सतत श्रद्धित हैं।

उन्नी जगजीनीक को लाला देव यसस बेकत नाथ्य उदारहार है कि पिछले 25 सालों से कल्याण देश के जन-जन में प्रधानमंत्री मोदी अपनी रचि परिचित कार्य प्रणाली से बेहद प्रतिष्ठित आगम के साथ लालायत रूपसे होत जा रहे हैं। मुझे लगता है कि जिक्र विषयय को तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और विशिष्ट प्रकार से स्पष्ट करने दो मिलाव। प्रमाण 76 साल की उम्र में भी 35 के नववयस्क को भीत अनपेक्षी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18-18 बहे लालायत अथक परिश्रम कर रहे हैं। उनका अब तक को संसात कास अतुलनीय और अकुपनीय है। लोक हिंदी भाषा को जना के बीना लिखते है जाय जो को उनकी योग्यता समझ को पता है। अभी तो देश के सभी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्य वसुधाय को पूरी तरह आभासगत कर जा रहे हैं। लेकिन इसी बीच बोलो और विशिष्ट दल लालायत जनता को उनके लिए प्रभित करत को कोशिश भी कर रहे हैं, जिसका मुंहतो जबाब भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच जनत देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर एक माह तक चलने वाले 'देवा संस्करण अभियान' के दौरान भाजपा कर के मोदी सरकार, छात्रसंघात को लालायत देव भाजपा और पुरवर्ती दल समन हिता संसात द्वारा कि एक प्रतीकात्मक विवास कायों जन-कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य केवल उपलब्धता बनाता ही नहीं, बल्कि जमीन पर उत्तक जनसंख्या को भी है। अभियान के तहत सामान का मात बचने वाले विशालपट्टी, पदरशी से अलंकृत हस्तियां और उक्तुष्ट संस्कृतिक कलाकारों का सामान भी जिना जाएगा। मैं तो भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान करता हूं कि जनसंख्या के इस महाभियानों के जरिए भाजपा के जनधार को और अधिक जगजुत करे हैं। जनता तक सरकार को हर एक उपलब्ध पहुंचाना है और अंतिम परिणत के स्थिति को शासन की योजनाओं को पूरी लाला दिलाना है। मेरी जगन में यही इस पंचवत्स को मुख्य संकेत है।

बहुआयामी मोदी का विराट स्वरूप अभी आना बाकी है

संकल्प से सिद्धि तक: मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा यात्रा

नये भारत के शिल्पकार नरेंद्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने जनसेवा से राष्ट्रसेवा के मंत्र को जी कर दिखया है और उनको इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रुकी, बल्कि कीर्तिमान स्थापित करते-करते हये सफल जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा काल' कार्यक्रमों का आयोजन प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वं 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कामोबेरा इतनी ही अस्थिर के उनके प्रधानमंत्रित्व कालकाल पर लुटपात करने तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कोटिमान और प्रतिमान खड़ा किया।

पूजित के मेहसाना जिले के एगरो से 7.8% है। रोगजार के बचक जो बड़े हैं, दो वारो जोगो और प्रचारियाँ के विश्व जो चलें हैं, प्रचारियाँ के नीति प्रमाणमूलक है। प्रमाणमूलक ने सस्तरक की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में 'हराण' 'आम आदमी' को रखा। इस जोग के साक्ष्य प्रमाण कणको को सूर्यप्र प्रमाणमूलक राह। सस्तरन, प्रमाणमूलक आवाज जोग के तहत इस के करोगे परिवारों को पक्के घर बनावे। सस्तरन भारत प्रमाण के उन्नित लता शौचालयों को खासकर गामम में प्रमाण करवाया जाय। उन्नित जोग के गामम से परत प्रमाणमूलक को मुक्त सय कनेशन प्रदान कर उनके स्वास्थ और गरिमा को रक्षा की है।

बेहतर स्वास्थ सुविधा के मईनरन प्रमाण प्रमाण शुरु की है, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोग को स्वास्थ बीमा का सुरक्षा कवच मिलेगा। आज जोग प्रमाण से हर घर को लगे सल उपकरण कणको की शिशु में परिवर्तितक करवा किये जा रहे हैं। आधारभूत प्रमाण की बात की जाये तब प्रमाणमूलक ने इसे राह के लगे, बचक भरी प्रमाणमूलक निवास, सस्तर, रेलवे, बेरगाहों, एकाई अग्ररी और डिजिटलक प्रमाण में सूर्यप्रप्रमाण प्रमाण सुख को मिल रही है। गामम प्रमाण में मुम्बतु प्रमाणमूलक की उपस्तरकत का सय-साथ शहरी लोग में मुंदी और स्पर्ड सिटी जेसी योजना प्रमाण लगे रही है।

चिंतन

एमडीआर का बोझ तो ग्राहक पर ही पड़ेगा

यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त लागत का सवाल केवल व्यापारियों को चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर बाजार, कीमतों और अंततः आम ग्राहक की जेब पर ही पड़ने वाला है। यही वजह है कि मचैट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर को लेकर उठी आशंकाओं को गंभीरता से समझने की जरूरत है। नियम चाहे कुछ भी कहें कि एमडीआर सीधे ग्राहक से नहीं वसूला जाएगा, लेकिन बाजार की हकीकत इससे अलग होती है। कारोबारी की लागत बढ़ती है तो वह उसे लंबे समय तक अपनी जेब से नहीं भरता। उसका असर किसी न किसी रूप में वस्तु की कीमत, छूट, मार्जिन या सेवा शुल्क में दिखाई देता है। व्यापारी या तो अपना मार्जिन घटाता है या ग्राहक को मिलने वाली छूट कम करता है। अंततः अतिरिक्त बोझ ग्राहक को भुगतना होता है। त्योहारी मौसम में इसका असर और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। इस समय बाजार में खरीदारी बढ़ती है और दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान वाले लेनदेन भी सामान्य होते हैं। यदि ऐसे भुगतान व्यापारियों के लिए मगरे होते हैं तो वे लागत कम करने के लिए दूसरे विकल्प तलाशेंगे। दिल्ली के विभिन्न बाजार संगठनों से सामने आई प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि कुछ व्यापारी नकद भुगतान को बढ़ावा देने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति डिजिटल इंडिया की उस दिशा के विपरीत होगी, जिसमें कम नकद और अधिक डिजिटल भुगतान की संस्कृति विकसित करने पर लगातार जोर दिया गया है। वहाँ, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फैसला वापस नहीं लिया जाएगा। त्योहारी सीजन में यदि बड़ी संख्या में ग्राहक डिजिटल भुगतान के बजाय नकद का इस्तेमाल करने लगे तो बैंकों और एटीएम पर दबाव बढ़ेगा। पर्याप्त नकदी उपलब्ध नहीं हुई तो ग्राहकों को परेशानी होगी। बाजार में भुगतान का प्रवाह भी प्रभावित हो सकता है। सबसे बड़ी चिंता यह होगी कि कहीं ऐसी स्थिति डिजिटल भुगतान की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े न कर दे। जिस यूपीआई को सुविधा और भरोसे का पर्याय बनाया गया है, उसके इस्तेमाल में लागत का सवाल लोगों को फिर से नकद की ओर धकेल सकता है। व्यापारियों की परेशानी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कम मार्जिन पर काम करने वाले छोटे और मध्यम दुकानदारों के लिए हर लेनदेन पर लगने वाली छोटी लागत भी महीने और साल के हिसाब से बड़ा खर्च बन सकती है। व्यापारी पहले से कार्ड भुगतान और अन्य लेनदेन शुल्क की शिकायत करते रहे हैं। ऐसे में नई लागत को लेकर उनकी चिंता स्वाभाविक है। सरकार और भुगतान व्यवस्था से जुड़े संस्थानों के सामने चुनौती यही है कि डिजिटल भुगतान की रफ्तार भी बनी रहे और व्यापारियों पर अनावश्यक लागत का दबाव भी न पड़े। इसका समाधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें ग्राहक, व्यापारी और डिजिटल भुगतान व्यवस्था तीनों के हितों का संतुलन हो। यदि भुगतान की लागत बढ़ती है और व्यापारी नकद की ओर लौटने लगते हैं तो इसका असर केवल दुकानदार तक सीमित नहीं रहेगा। कीमतों पर दबाव बढ़ेगा, ग्राहक की जेब प्रभावित होगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी धीमी पड़ सकती है। इसलिए एमडीआर को लेकर फैसला करते समय केवल शुल्क की वसूली नहीं, उसके पूरे बाजार प्रभाव को देखना होगा। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की नीति तभी सफल होगी, जब वह व्यापारी और ग्राहक दोनों के लिए सुविधाजनक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनी रहे।

जयंती पर विशेष रमेश सर्राफ

सृष्टि के पहले इंजीनियर माने जाते हैं भगवान विश्वकर्मा

विश्वकर्मा पूजा भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन देशभर में स्थित कारखानों, कार्यशालाओं और विभिन्न कार्यस्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है ताकि श्रम और कौशल का सम्मान किया जा सके और आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद प्राप्त हो सके। हर साल विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसलिए इसे विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक है। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होंने ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है, जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश की वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाएं भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे, जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अँगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किए बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यम्पुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जम्नन्ध्र निर्माण तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरों, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, अस्सम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधामंत्रंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। इसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



पड़ोस

प्रो. डॉ. मनोज दयाल

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंदिता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर ‘प्रतिद्वंदिता’ के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। पर सच क्या है? टकराव से किसका भला हुआ? सैनिक तैनाती बढ़ी, खर्च बढ़ा, पर विकास की रफ्तार थमी। अब दोनों देशों को यह समझ आ गया है कि 21वीं सदी की चुनौतियां-जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, रोजगार का संकट - ऐसी हैं जिनका सामना अकेले नहीं किया जा सकता। यदि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टेलेंट हब है, तो चीन सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब। यदि भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो चीन में हार्डवेयर की ताकत है। कोलैबरेशन होगा तो भारत की बनी दवाएं और सॉफ्टवेयर चीन के बाजार में जाएंगी, चीन की सोलार तकनीक भारत में सस्ती बिजली लाएगी। कोऑपरेशन होगा तो एशिया की सप्लाई चेन मजबूत होगी। परंतु प्रतिद्वंद्विता में दोनों थकेंगे और फायदा वाशिंगटन और यूरोप ले जाएंगे। सहयोग में दोनों जीतेंगे और एशिया जीतेगा। यही वक्त की पुकार है और इस नई सहमति ने उसी पुकार को सुना है। अब भारत अपनी धरती से चीन विरोधी साजिश नहीं होने देगा। इस समझौते का सबसे परिपक्व और सबसे शक्तिशाली संदेश भारत की ओर से आया है - भारत अपनी जमीन से किसी भी तीसरे देश को चीन विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं देगा। यह एक लाइन नहीं, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का घोषणापत्र है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे निचले स्तर से ऊपर उठें हैं और ‘फैस्टाट’ (फिर से शुरुआत) से ‘नई कंचाई’ की ओर बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र लगातार बढ़

इमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है।

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंद्विता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर ‘प्रतिद्वंद्विता’ के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है।

आनंदमय कोष की प्राप्ति

अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष के पश्चात प्रवेश होता है आनंदमय कोष में। अन्न से उत्पन्न यह शरीर त्वचा, मांस, चर्म और रधिर युक्त है। यह आत्मा नहीं है। प्राणमय कोष भी आत्मा नहीं, क्योंकि प्राण वायु के रूप में शरीर में आता-जाता है। मनोमय कोष व्यक्ति को विषयों में आसक्त करता है और आत्मभाव में स्थित नहीं होने देता है, इसलिए यह भी आत्मा नहीं है। जागृति, स्वप्न, सुषुप्ति, सुख-दुःख, जन्म-मरण, लाभ-हानि विज्ञानमय कोष में रहते हैं, इसलिए यह भी आत्मारूप आनंदमय कोष नहीं हो सकता है। श्रीरामचरितमानस में मात्र श्रीभरत इन कोषों का उपादान रूप में उपयोग करते हुए भी आनंदमय कोष हैं, जिनका राम से सर्वथा ऐक्य है। सारा संसार भरत की इस महत्व भूमिका के कारण ही दीपावली का प्रकाश पर्व मनाता है। दीपावली सनातन संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरा कार्तिक माह घरी तथा व्यापारिक संस्थानों की स्वच्छता व सजावट में लग जाता है। दीपावली के इस दृष्ट बाह्य और लौकिक रूप में कौन-सा आंतरिक तत्व छिपा है, जिसे जानने के पश्चात दीपावली हमें हमारे मूल वैदिक परंपराओं की नींव से जोड़ देती है। श्रीरामचरितमानस में भक्ति के सोपानों का वर्णन अरण्यकांड में है, जिसका विश्लेषण भगवान श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण की जिज्ञासा-समाधान में करते हैं। उसी तरह ज्ञान प्राप्ति के सोपानों का वर्णन मानस के अंतिम उत्तरकांड में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी के समक्ष करते हैं।



करंट अफेयर

एआई में चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी अंतर हुआ कम

कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के तेजी से विकास के संभावित जोखिमों पर दुनिया में बहस तेज होने के बीच अमेरिका और चीन अधिक शक्तिशाली एआई मॉडल विकसित करने की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका कई वर्षों तक एआई मॉडल की क्षमता, शोध और अन्य क्षेत्रों में चीन सहित अन्य देशों से आगे रहा है। हालांकि, चीन अब तेजी से इस अंतर को कम कर रहा है। अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के कारण चीन को अत्याधुनिक चिप और उन्हें बनाने वाली मशीनों सहित कुछ उन्नत प्रौद्योगिकियों तक पहुंच नहीं है। स्टैनफोर्ड इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन-सेंटेड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एक जानकार सहित विशेषज्ञों और हालिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन एआई के क्षेत्र में अमेरिका के लिए मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है और इस साल उसने अमेरिकी बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवॉरंसड इंटरनेशनल स्टडीज के सैम सेक्स ने कहा, ‘अमेरिकी और चीनी मॉडलों के बीच अंतर कम और अस्थिर है।’ एआई को लेकर यह बहस ऐसे समय हो रही है जब चीनी राष्ट्रपति शी दिनफिंग के इस महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वाशिंगटन आने की उम्मीद है।

जब वाशिंगटन टैरिफ की दीवारें खड़ी कर रहा हो, तब नई दिल्ली और बीजिंग के बीच पुल बनना केवल दो देशों की घटना नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था के बदलने का संकेत है। भारत और चीन के बीच हाल ही में बनी सार्थक सहमति इसी बदलाव का नाम है। यह सहमति महज एक कूटनीतिक दस्तावेज नहीं, बल्कि एशियाई शताब्दी का घोषणापत्र है। एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंद्विता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर ‘प्रतिद्वंद्विता’ के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ - इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। पर सच क्या है? टकराव से किसका भला हुआ? सैनिक तैनाती बढ़ी, खर्च बढ़ा, पर विकास की रफ्तार थमी। अब दोनों देशों को यह समझ आ गया है कि 21वीं सदी की चुनौतियां-जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, रोजगार का संकट - ऐसी हैं जिनका सामना अकेले नहीं किया जा सकता। यदि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टेलेंट हब है, तो चीन सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब। यदि भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो चीन में हार्डवेयर की ताकत है। कोलैबरेशन होगा तो भारत की बनी दवाएं और सॉफ्टवेयर चीन के बाजार में जाएंगी, चीन की सोलार तकनीक भारत में सस्ती बिजली लाएगी। कोऑपरेशन होगा तो एशिया की सप्लाई चेन मजबूत होगी। परंतु प्रतिद्वंद्विता में दोनों थकेंगे और फायदा वाशिंगटन और यूरोप ले जाएंगे। सहयोग में दोनों जीतेंगे और एशिया जीतेगा। यही वक्त की पुकार है और इस नई सहमति ने उसी पुकार को सुना है। अब भारत अपनी धरती से चीन विरोधी साजिश नहीं होने देगा।

इस समझौते का सबसे परिपक्व और सबसे शक्तिशाली संदेश भारत की ओर से आया है - भारत अपनी जमीन से किसी भी तीसरे देश को चीन विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं देगा। यह एक लाइन नहीं, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का घोषणापत्र है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे निचले स्तर से ऊपर उठें हैं और ‘फैस्टाट’ (फिर से शुरुआत) से ‘नई कंचाई’ की ओर बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र लगातार बढ़

रहे हैं, व्यापार की मात्रा रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान अधिक गतिशील हो रहा है। दुनिया जानती है कि कई पश्चिमी शक्तियां चाहती हैं कि भारत को चीन के खिलाफ एक फ्रंटलाइन स्टेट बना दिया जाए, एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाए। भारत ने स्पष्ट कर दिया - हम किसी के मोहरे नहीं हैं। हम किसी के कहने पर न दोस्ती करते हैं, न दुश्मनी। भारत ने चीन को भरोसा दिया है कि दलाई लामा से लेकर किसी भी संबेदनशील मुद्दे पर भारत की धरती का दुरुपयोग नहीं होगा। बदले में भारत को उम्मीद है कि चीन भी पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में



भारत के कोर इंटरेस्ट का ख्याल रखेगा। यह बराबरी की बात है, झुकाव की नहीं। यह भारत के विश्वगुरु बनने की दिशा में एक आत्मविश्वासी कदम है। भारत की ओर शांति शांति है, पर सतर्कता में रस्ती भर ढील नहीं है। कुछ लोग इस समझौते को 1962 से पहले वाली भावुकता समझ रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए - यह 2026 का भारत है। हां, यह सच है कि सीमा पर सैनिकों की संख्या कम हुई है, गश्त के नियम तय हुए हैं, बरफ जोन पर सहमति बनी है और एलएसी पर तनाव घटा है। यह स्वागत योग्य है, क्योंकि इससे हर साल हजारों करोड़ रुपये का सैनिक खर्च बचेगा और जवानों को राहत मिलेगी। पर इसका अर्थ यह कतई नहीं कि भारत ने आंखें मूंद ली हैं। पिछले चार सालों में भारत ने सीमा पर जो किया है, वह 70 सालों में नहीं हुआ - ऑल वेदर रोड, सुरंगें, नए एयरफील्ड, सैटेलाइट निगरानी और सेना का आधुनिकीकरण। वह सब जारी रहेगा, और तेज होगा। हमारी नीति साफ है - बातचीत भी, तैयारी भी। विश्वास भी, सत्यापन भी। हम हाथ बढ़ा रहे हैं, पर हाथ में लाठी रखना नहीं भूल रहे। हम गले भी मिल रहे

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंद्विता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर ‘प्रतिद्वंद्विता’ के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है।

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंद्विता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर ‘प्रतिद्वंद्विता’ के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है।



संकलित प्रेरणा



ऑफ बीट

ग्रीनलैंड -अंटार्कटिका से 12,000 अरब टन से ज्यादा बर्फ पिघली

एक प्रमुख वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार, 1979 से ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के हिमनदों से लगभग 12500 अरब टन बर्फ पिघल चुकी है। यह इतनी ज्यादा बर्फ है कि इससे पूरे अमेरिकी महाद्वीप में बर्फ की पांच फुट की परत बिछाई जा सकती है। बुधवार को ‘साइंटिफिक डेटा’ पत्रिका में छपे एक अध्ययन के मुताबिक, धरती के गर्म होने से ग्रह की दो बड़ी बर्फ की चादरों (आइस शीट्स) के पिघलने की रफ्तार बढ़ रही है। पिघलने वाली बर्फ का छह में से पांचवा हिस्सा गर्म हवा की वजह से नहीं, बल्कि गर्म पानी की वजह से पिघल रहा है जो नीचे और किनारों से बर्फ की चादरों को काट रहा है, और हिमनद समुद्र में बह रहे हैं। अध्ययन करने वालों का कहना है कि भविष्य में समुद्र का जलस्तर बढ़ने के लिहाज से यह बुरी खबर है। अध्ययन के सह-लेखक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन के हिम वैज्ञानिक एरिक रिमनोट ने कहा, ‘बर्फ की चादरें तेजी से पिघल रही हैं। हम ध्रुवीय क्षेत्रों की बर्फ खो रहे हैं, समुद्र का जलस्तर दुनियाभर में बढ़ रहा है और इससे तटीय क्षेत्रों की असुरक्षा और बढ़ेगी। पिघलने की प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े हैरान कर देने वाले हैं।

विचार हरिभूमि 8

हैं, पर आंखें खोलकर। यह चाणक्य नीति है, और यही असली कूटनीति है। शांति की पहल हो, पर सुरक्षा से कोई समझौता नहीं। अब यह भारत, चीन, रूस विरोधी अमेरिकी तानाशाही में और भी अधिक प्रासंगिक है। इस समझौते की टाइमिंग को समझिए। यह तब आया है जब अमेरिका अपनी टैरिफ नीति से पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है। अमेरिका ने भारत के स्टील, एल्युमिनियम और फार्मा उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा दिया है। चीन पर तो 100 प्रतिशत से अधिक इयूटी थोप दी गई है। रूस पर प्रतिबंध हैं। अमेरिका डॉलर और अपनी तकनीक को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को अपनी शर्तों पर व्यापार करने को मजबूर करना चाहता है। ऐसे में भारत और चीन के पास दो ही रास्ते हैं - या तो अलग-अलग रहकर अमेरिका की मनमानी सहते रहें, या एक साथ आकर अपना खुद का रास्ता बनाएं और समझदार देश दूसरा रास्ता चुनते हैं। यदि भारत और चीन आपस में व्यापार बढ़ाते हैं, अपनी मुद्रा में कारोबार करते हैं, ब्रिक्स और एससीओ को मजबूत करते हैं, तो अमेरिका की टैरिफ की दीवार अपने आप बेमानी हो जाएगी। जब वाशिंगटन बाजार बंद करेगा, तो नई दिल्ली और बीजिंग एक-दूसरे के लिए बाजार खोल देंगे। इसलिए यह समझौता केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की एकजुटता का प्रतीक है। यह अमेरिका को सीधा संदेश है - एशिया अब तुम्हारी टैरिफ धमकियों से नहीं डरेगा। एशिया अपना भविष्य खुद लिखेगा। अब यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है कि क्या फिर से ‘हिंदी-चीनी भाई-भाई’ का युग लौटेगा? 1954 में नारा लगा था - हिंदी-चीनी भाई-भाई। वह नारा भावुकता में लगा था और इसलिए 1962 में टूट गया। क्या वह युग फिर लौटेगा? जवाब है - हां, पर नए रूप में। अब वह भोला भाई-भाई नहीं होगा। अब वह प्रैक्टिकल भाई-भाई होगा। अब आंखें बंद करके गले नहीं मिलेंगे, आंखें खोलकर हाथ मिलाएंगे। अब नारे नहीं, समझौते होंगे। अब भावुकता नहीं, बराबरी होगी। नया नारा होगा - ‘हिंदी-चीनी, सहयोगी-सहकारी ।’ यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है। और तब यह सार्थक सहमति इतिहास में एक मील के पथ्थर के तौर पर याद की जाएगी।

(लेखक कुशाग्रदंठ ठाकुर पत्रकारिता एवं जनकल्याण विद्याविद्यालय, रायपुर के कुुरापाति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए

एक बार एक संत ने अपने दो भक्तों को बुलाया और कहा आप को यहां से पचास कोस जाना है। एक भक्त को एक बोरी खाने के समान से भर कर दी और कहा जो लायक मिले उसे देते जाना। और एक को खाली बोरी दी उससे कहा रास्ते मे जो उसे अच्छा मिले उसे बोरी में भर कर ले जाए। दोनों निकल पड़े जिसके कंधे पर समान था वो धीरे चल पा रहा था। खाली बोरी वाला भक्त आराम से जा रहा था। थोड़ी दूर उसको एक सोने की ईंट मिली उसने उसे बोरी में डाल लिया। थोड़ी दूर चला फिर ईंट मिली उसे भी उठा लिया। जैसे-जैसे चलता गया उसे सोना मिलता गया और वो बोरी में भरता हुआ चल रहा था। और बोरी का वजन बढ़ता गया उसका चलना मुश्किल होता गया और सांस भी चढ़ने लग गई। एक एक कदम आगे चलना कठिन होता गया। दूसरा भक्त जैसे-जैसे चलता गया रास्ते में जो भी मिलता उसको बोरी में से खाने का कुछ समान देता गया धीरे-धीरे बोरी का वजन कम होता गया। और उसका चलना आसान होता गया। जो बांटता गया उसका गंतव्य स्थान तक पहुंचना आसान होता गया। और जो लालच में आकर इकट्ठा करता रहा वो रास्ते में ही दम तोड़ गया। हम सभी को अब ये सोचना चाहिए कि हमने जीवन में क्या बांटा और क्या इकट्ठा किया हम मंजिल तक कैसे पहुंच पाएंगे। आखिर लालच ही बुरी बला है।



(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

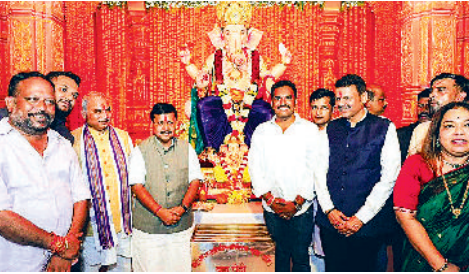
आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. भूरिया और पार्टी की मीडिया पैनलिस्ट साधना ने भाजपा सरकार को घेरा

नई दिल्ली ►► हरिभूमि ब्यूरो

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के बालाघाट में कुपोषण व गंभीर बीमारियों से 35 से ज्यादा आदिवासी बच्चों और सागर में जहरीली शराब से 50 से ज्यादा लोगों की मौतों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया और पार्टी की मीडिया पैनलिस्ट साधना भारती ने इस मामले में स्वास्थ्य और आबकारी विभाग संभालने वाले प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्रियों राजेंद्र शुक्ला एवं जगदीश देवड़ा के इस्तीफे की मांग की है। साथ ही कहा है कि प्रत्येक पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

विक्रांत भूरिया ने बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलते हुए बताया कि प्रदेश में कुपोषण एक बड़ी समस्या है, इसी के चलते बालाघाट में बच्चों की मौत हो रही है और वहां

भाजपा अध्यक्ष नवीन ने गणेशोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया



हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार को एक दिवसीय प्रवास पर मुंबई पहुंचे, जहां उन्होंने गणेश चतुर्थी के अवसर पर सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागवा राजा में पूजा-अर्चना की तथा विभिन्न गणेश मंडलों में दर्शन कर महाराष्ट्र सहित देश की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्रीमोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनरोद्धार और विकास मजबूत हुआ है। नवीन ने गणेशोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प के साथ विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रमों के दौरान महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र नवीन ने सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागवा राजा में पूजा-अर्चना की

■ नवीन ने सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागवा राजा में पूजा-अर्चना की

फडणवीस, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, राज्य सरकार के मंत्री आशीष शेलार, एनसीपी सांसद प्रफुल्ल पटेल, दीपक सिंह और जय कुमार सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे। नवीन मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, जहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण सहित अन्य नेतागण ने उनका भव्य स्वागत किया। नवीन ने कहा कि आज महाराष्ट्र को इस पवित्र भूमि पर अध्यक्ष के रूप में मेरा प्रथम आगमन है और यह मेरे लिए बहुत ही शुभ दिन है। गणपति बप्पा की पूजा का पूरा उत्सव ने केवल पूरे महाराष्ट्र, बल्कि पूरे देश में मनाया जा रहा है। ऐसे समय में महाराष्ट्र आना मेरे लिए सौभाग्य का क्षण है। नवीन ने कहा कि वैसे तो मैं महाराष्ट्र की संगठनात्मक बैठक में आगे फिर आऊंगा, लेकिन आज केवल उत्सव में सभी के साथ शामिल होने और श्री गणेश का आशीर्वाद लेने आया हूं, ताकि महाराष्ट्र की भी तरक्की हो और भारतवर्ष की भी तरक्की हो। हमारी आस्था और ताकत के केंद्र हमारे प्रभु श्रीराम हैं, जिनके आदर्शों पर पूरा देश, भारतीय संस्कृति और हमारी धरोहर आगे बढ़ती है। हम सभी मिलकर भारतीय संस्कृति भारत के विकास के कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ें।

झीरम घाटी नरसंहार : 27 नृशंस हत्या 13 साल पहले हुआ था हमला, 10 को फांसी

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी माओवादी हमले के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जगदलपुर स्थित विशेष अदालत ने बुधवार को सभी 10 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने 5 सितंबर को सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया था। मामले में एक आरोपी की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि आरोपपत्र में नामजद 28 अन्य आरोपी अब भी फरार बताए गए हैं। तब छत्तीसगढ़ की कांग्रेसी सियासत में खूब राजनीति हुई थी।

25 मई 2013 को हुआ था हमला

25 मई 2013 को बस्तर के दरभा थाना क्षेत्र की झीरम घाटी में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर माओवादियों ने घात लगाकर हमला किया था। एनआईए के रिकॉर्ड के अनुसार हमले में 27 लोगों की मौत हुई और 38 लोग घायल हुए थे। मृतकों में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके पुत्र दिनेश पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता तथा सुरक्षाकर्मी शामिल थे।

294 सुनवाई के बाद आया फैसला

मामले की सुनवाई करीब 13 वर्षों तक चली और अदालत में 294 सुनवाई हुईं। अभियोजन पक्ष ने 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए। अदालत ने दोषियों को आपराधिक साजिश और हत्या

मध्यप्रदेश में कुपोषण, बीमारियों से 35 आदिवासी बच्चों व जहरीली शराब से 50 लोगों की मौत की जवाबदेही तय करे भाजपा सरकार: कांग्रेस

स्वास्थ्य और आबकारी विभाग संभाल रहे दोनों उपमुख्यमंत्री इस्तीफा दें, पीड़ित परिवार को 1 करोड़ की राशि, एक सदस्य को नौकरी दी जाए



लोगों को छह महीने से घर पर पहुंचने वाला राशन नहीं मिल रहा है। बालाघाट जैसे इलाकों में टीकाकरण की दर 70 प्रतिशत से भी कम है। यही कारण रहा कि खसरा फैला। इतना ही नहीं, सरकार ने मलेरिया जैसी बीमारी की रोकथाम के लिए भी कोई काम नहीं किया। मध्य प्रदेश सरकार ने

2025 में बताया था कि सरकार अति गंभीर कुपोषित बच्चों में कुपोषण खत्म करने के लिए हर दिन 12 रुपये खर्च कर रही है। सरकार ने यह भी बताया कि जिन अति कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराया जाता है, उनपर वे 980 रुपये खर्च करते हैं। कांग्रेस नेता ने इसे बेहद कम राशि बताते हुए सवाल खड़े किए। उन्होंने भाजपा सरकार को संवेदनहीन बताते हुए कहा कि पहले पीड़ित परिवारों को 20 हजार रुपये की सहायता राशि दी जा रही थी, विरोध के बाद इसे बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया, फिर जब कांग्रेस ने ‘न्याय सत्याग्रह’ किया तो इस राशि को चार लाख रुपये कर दिया गया।

कांग्रेस नेता ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि बालाघाट की त्रासदी अकेली घटना नहीं है, भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। कुछ अन्य गंभीर घटनाओं का

उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे पहले छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप के कारण 26 बच्चों की मौत हुई थी, इंदौर में दूषित पानी के कारण बच्चों समेत 36 लोगों की मौत हो गई थी, इंदौर में ही चूहों के कुतरने से दो नवजात बच्चों की मौत हो गई थी और सतना में छह बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ा दिया गया था।

भूरिया ने कहा कि बालाघाट की जमीनी हकीकत बताने वालों पर दबाव बनाकर उन्हें रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को बालाघाट भेजकर एक नैरेटिव चलाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता बच्चों की मौत का कारण पता करना और भविष्य में ऐसी मौतें रोकना होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बालाघाट को पीआर प्रबंधन की नहीं, बल्कि पोषण, टीकाकरण, उपचार और जवाबदेही की जरूरत है। कांग्रेस और भाजपा की सोच में अंतर को स्पष्ट करते हुए

विक्रांत भूरिया ने कहा कि जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक आदिवासी युवा को इसू अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया है, वहीं भाजपा आदिवासियों की पीढ़ी ही मिटा देने पर तुली है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का पूरा सिस्टम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है और हर मंत्री सिर्फ अपनी तिजोरियां भरने में लगा है। वहीं, साधना भारती ने कहा कि मध्य प्रदेश के बालाघाट में कुपोषण के साथ डायरिया, मलेरिया, खसरा, निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आने से 35 से ज्यादा बच्चों की मौत और सागर जिले में जहरीली शराब पीने से 50 से अधिक लोगों की मौत के बावजूद न तो मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला एवं न ही आबकारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अभी तक इस्तीफा दिया है। उन्होंने इसे शर्मनाक बताया।

92.55 करोड़ के विदेशी फंड को मिशनरी गतिविधियों में इस्तेमाल करने का आरोप

1,000 से अधिक विदेशी डेबिट कार्ड बांटने का दावा, छग में भी हुआ खेल

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली।

अमेरिका स्थित ईसाई मिशनरी संगठन ‘द टिमोथी इनिशिएटिव’, भारत में उसके संचालन के प्रभारी जोनाथन एस. राजन, वित्तीय प्रमुख अजित वर्गीज मथाई सहित अन्य के खिलाफ सीबीआई ने मामला दर्ज किया है। सीबीआई की यह कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय (ईड) की ओर से साझा की गई जानकारी के आधार पर की गई है। मामले में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम, 2010 सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के कथित उल्लंघन की जांच की जा रही है।

ईडी की ओर से 4 जून को गृह मंत्रालय के एफसीआरए विंग के संयुक्त सचिव को भेजे गए पत्र के अनुसार, जांच में नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 के बीच करीब 92.55 करोड़ रुपये (99,95,240 अमेरिकी डॉलर) के विदेशी फंड के कथित इस्तेमाल का पता चला। ईडी के मुताबिक, इन धनराशियों का इस्तेमाल मिशनरी गतिविधियों के लिए किया गया।

विदेशी डेबिट कार्ड से एटीएम से निकासी का आरोप

ईडी ने अपनी जांच में दावा किया है कि संस्था से जुड़े लोगों ने अमेरिका के बैंक द्वारा जारी विदेशी डेबिट कार्ड के जरिए देश के विभिन्न हिस्सों में एटीएम से नकद धनराशि निकाली।

जांच में जनवरी 2024 से मार्च 2026 के बीच कर्नाटक, छत्तीसगढ़, असम समेत कई राज्यों में ऐसे कार्डों के माध्यम से करीब 44 करोड़ रुपए निकाले जाने की बात सामने आने का दावा किया गया है। ईडी के अनुसार, बेंगलुरु में 18 अप्रैल को पकड़े गए आरोपी के पास 24 विदेशी डेबिट कार्ड मिले थे। जांच में यह भी सामने आने का दावा किया गया कि ऐसे 1,000 से अधिक विदेशी डेबिट कार्ड

विदेशी फंड के कथित दुरुपयोग पर सीबीआई का केस द टिमोथी इनिशिएटिव और अन्य के खिलाफ केस



पिछले कुछ वर्षों में भारत में वितरित किए गए। इनमें कई कार्ड ‘संतोष कुमार’ जैसे सामान्य नामों पर जारी किए गए थे, जबकि पहले क्षेत्र के नाम से कार्ड जारी किए जाने की बात भी जांच में सामने आई। जांच एजेंसी के मुताबिक, इन कार्डों के वितरण और इस्तेमाल की व्यवस्था अजित वर्गीज मथाई की निगरानी में की जा रही थी। ईडी ने आरोप लगाया है कि इस व्यवस्था के जरिए वास्तविक उपयोगकर्ता की पहचान छिपाई गई, नियमों का उल्लंघन किया गया।

मिशनरी गतिविधियों और वामपंथी उग्रवाद से जोड़कर जांच

ईडी ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि इन विदेशी फंडों का इस्तेमाल प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार और गरीब लोगों के कथित ‘ब्रेनवॉशिंग’ जैसी गतिविधियों के लिए किया गया, जिनका संबंध एजेंसी ने अन्य बातों के साथ वामपंथी उग्रवाद से जोड़े जाने की आशंका जताई है। इन आरोपों की जांच अब एजेंसी द्वारा दर्ज मामले के तहत की जा रही है। ईडी ने अपने पत्र में जोनाथन एस. राजन, मिका मार्क, अजित वर्गीज मथाई, वर्गीज चाको, बाबू कुर्मी, सुप्रीम जांय और अमेरिकी संस्था समेत अन्य के खिलाफ उचित कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए
मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त राजेंद्र पुत्र प्रकाश लाल, निवासी मकान नंबर जी.एच. 587 / 1132, पश्चिम विहार, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 67 / 2020 धारा 3 डी.पी.डी.पी. एक्ट, थाना पश्चिम विहार ईस्ट, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त राजेंद्र मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त राजेंद्र फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 67 / 2020 धारा 3 डी.पी.डी.पी. एक्ट, थाना पश्चिम विहार ईस्ट, दिल्ली के उक्त अभियुक्त राजेंद्र से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 22.10.2026 को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री वसुन्धरा आजाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (पश्चिम) कमरा नं. 146, प्रथम तल, तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/13149/OD/2026

उत्तर रेलवे

ई-खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता/सम्पादा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा खोलो **08.10.2026** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	घरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता/सम्पाति-III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता / बड़ीदा हाउस के कार्यक्षेत्र में कॉलेज लेन, तिलक बिजि रेलवे कॉलोनी के खाली प्लेटों की मरम्मत के कार्य हेतु।	रुपये 1,49,99,740.17	रुपये 3,00,000.00	06 महीने
बी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पाति-III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता / बड़ीदा हाउस के कार्यक्षेत्र में कॉलेज लेन और तिलक बिजि पर टाइप-I, II, V प्लेट्स और कॉलोनी में सॉरिस बिल्डिंग की सालाना सामान्य मरम्मत, सफेदी और पेंटिंग के कार्य हेतु।	रुपये 1,49,99,562.75	रुपये 3,00,000.00	12 महीने
सी	सहायक मंडल अभियंता/सम्पाति-III के अधीन कार्यरत वरिष्ठ खंड अभियंता / बड़ीदा हाउस के कार्यक्षेत्र में आनंद विहार रेलवे कॉलोनी में टाइप-I, II, IV, VI प्लेटों की सालाना सामान्य मरम्मत, सफेदी और पेंटिंग के कार्य हेतु।	रुपये 1,34,99,694.98	रुपये 2,70,000.00	12 महीने

1. निविदा दिनांक: **08.10.2026** को **15:00** बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।
संख्या:— 128-डब्ल्यू/269/ओ.ई.टी./निविदा सूचना/26-27/डब्ल्यू-ई/टेंडर नं. 16 (ए. बी. सी.) दिनांक: 10.09.2026
3199/2026

ग्राहकों की सेवा में मुरकान के साथ

यूपीआई पर शुल्क को लेकर कांग्रेस का मोदी सरकार कहा- अमेरिकी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए लिया गया फैसला वापस ले सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

कांग्रेस ने यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने के फैसले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह फैसला अमेरिका के दबाव में लिया गया है और इससे वॉलमार्ट, गूगल तथा अमेजन जैसी अमेरिकी कंपनियों से जुड़ी भुगतान सेवाओं को फायदा होगा। कांग्रेस ने सरकार से इस फैसले को तत्काल वापस लेने की मांग की है।

कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म विभाग की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू करने से कारोबारियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा और अंततः इसका असर उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि 5,000 रुपए के लेनदेन पर 20 रुपए और 10,000 रुपये के लेनदेन पर 40 रुपये का एमडीआर बनेगा। श्रीनेत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने अमेरिका के समक्ष ‘समर्पण’ किया है और देश के स्वदेशी डिजिटल भुगतान तंत्र को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने अमेरिकी भुगतान कंपनियों की ओर से भारत की शून्य-एमडीआर नीति पर जताई गई आपत्तियों का भी उल्लेख किया। हालांकि, सरकार की ओर से यह कहा गया है कि यूपीआई से संबंधित नीतिगत फैसले स्वतंत्र रूप से लिए गए हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यूपीआई

ऐप के बाजार में वॉलमार्ट समर्थित फोनपे, गूगल पे और अमेजन पे जैसे प्लेटफॉर्म प्रमुख हैं। उन्होंने दावा किया कि फोनपे की हिस्सेदारी 48.9 प्रतिशत, गूगल पे की 37.7 प्रतिशत और पेटीएम की 8.3 प्रतिशत है। एमडीआर से बनने वाले नए राजस्व मॉडल से बड़े भुगतान प्लेटफॉर्म की कारोबारी संभावनाएं बढ़ेंगी। यूपीआई के संचालन के लिए अनुमानित 20,700 करोड़ रुपये की सालाना जरूरत को सरकार सीधे क्यों नहीं वहन कर सकती? उन्होंने इसकी तुलना वित्त 2025-26 में आरबीआई की ओर से केंद्र को किए गए 2.87 लाख करोड़ के सरप्लस ट्रान्सफर से की। सुप्रिया ने किए गए बदलाव और उसके बाद वित्त मंत्री की ओर से एमडीआर व्यवस्था को अंतिम रूप नहीं दिए जाने संबंधी बयान का भी उल्लेख किया। उन्होंने सवाल किया कि महंगाई से जूझ रहे लोगों को राहत देने के बजाय सरकार अतिरिक्त बोझ क्यों डाल रही है? एनपीसीआई के अनुसार, 2,000 रुपए तक के छोटे मूल्य के यूपीआई लेनदेन पर नए एमडीआर का असर नहीं होगा। एनपीसीआई के अनुसार ऐसे लेनदेन यूपीआई के व्यक्ति से व्यापारी लेनदेन की कुल मात्रा के 95 प्रतिशत से अधिक हैं। नया एमडीआर ढांचा 15 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा। यूपीआई भारत के सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे का हिस्सा है इसके परिचालन खर्च को सरकार आरबीआई के संसाधनों से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने यूपीआई को पूरी तरह शुल्क-मुक्त रखने की मांग की।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रेवाड़ी

मुकदमा न.-165 दिनांक 15/06/2026 धारा 127 (6) BNS थाना शहर जिला रेवाड़ी

गुमशुदा की पहचान:-

नाम-सुरेंद्र पुत्र मलखान निवासी-अलफंजग थाना सैफनी जिला रामपुर, यू पी कद-5-6"

हुलिया-रंग गौरा, गोल चेहरा, पतला जिस्म जिसने धारीदार काली टीशर्ट व काला पजामा पहना हुआ है दिनांक -10/06/2026 से नया बस स्टैंड रेवाड़ी से बिना बताए चला गया। जिस संबंध में FIR NO-165

दिनांक-15/05/2026 धारा-127 (6) BNS दर्ज रजिस्टर्ड किया गया है। जिसका अभी तक कोई सुराग नहीं चला है। यदि किसी थाने में या किसी व्यक्ति को इस बारे सूचना प्राप्त होती है तो निम्नलिखित नम्बरों पर फोन करके सूचित करें।

- सम्पर्क नम्बर-1. अनुसंधानकर्ता 9588719951
2. प्रबंधक अफसर थाना शहर रेवाड़ी -7056666121
3. कंट्रोल रूम रेवाड़ी - 01274-225156, 9306952004
पीआरडीएच-1084/11/5345/2027/49301/88/7 दि. 16.09.26

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जीन्द

मुकदमा नम्बर- 253, दिनांक 04.8.2026, धारा 127 (6) बीएनएस, थाना शहर जींद

गुमशुदा की तलाश

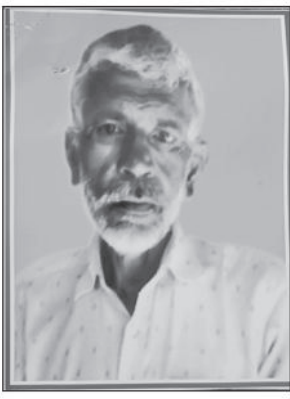
नाम- अजमेर

पिता का नाम-रणधीर पता- बिशम्बर नगर रोहतक रोड जीन्द

उम्र- 56 साल हुलिया- रंग गेहुआ, कमजोर शरीर, ब्राउन कलर कि पेंट व सफेद रंग कि कमीज पहने हुए है, कद 5"8 इंच है। जो बिना किसी को बताए घर से दिनांक 30.07.2026 से गायब है। यदि किसी को पता चले तो मोबाइल नं. 8814011511 प्रबन्धक अफसर थाना शहर जींद व 01681-245711 कंट्रोल रूम जीन्द से सम्पर्क करें।

प्रबन्धक अफसर थाना शहर जींद

पीआरडीएच-1084/11/5349/2027/49326/88/7 दि. 16.09.26



डीजीएफटी ने विदेश व्यापार नीति, 2023 में किया संशोधन

तीन लाख के निर्यात खेप के लिए

पंजीकरण प्रमाणपत्र जरूरी नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने तीन लाख रुपये तक मूल्य वाले निर्यात पर पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी) की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। इस कदम का उद्देश्य नए और छोटे निर्यातकों पर अनुपालन का बोझ कम करना है। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस फैसले से डाक, कूरियर और अन्य उभरते माध्यमों से भी निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र निर्यात संवर्धन परिषद या संबंधित जिस बोर्ड जारी करता है। यह प्रमाणपत्र आमतौर पर यह साबित करता है कि निर्यातक संबंधित निर्यात संगठन के साथ पंजीकृत है। अबतक नए या कभी-कभार कम मूल्य का सामान निर्यात करने वालों को पहले संबंधित पंजीकरण संस्था की पहचान करनी पड़ती थी, जरूरी दस्तावेज जमा करने होते थे और निर्यात शुरू करने से पहले पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होती थी।

सोने की कीमतें 1,200 रुपये चढ़ीं, चांदी 7,000 रुपये मजबूत

नई दिल्ली (भाषा)। सोने की कीमतों में बुधवार को तीन सत्रों की गिरावट के बाद सुधार आया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद कारोबारी धारणा में सुधार होने से कारोबारियों की सटोरिया लिवाली से राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने का दाम 1,200 रुपया बढ़कर 1.55 लाख रुपया प्रति 10 ग्राम हो गया। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत मंगलवार के 1.54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 1,200 रुपये बढ़कर 1.55,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) हो गई। चांदी के दाम में भी दो लगातार सत्र तक स्थिर रहने के बाद उछाल आया। यह पिछले बंद स्तर 2,34,600 रुपये प्रति किलोग्राम के मुकाबले 7,000 रुपये बढ़कर 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई।

ज्योतिष

कहते नहीं करके दिखाते है

सभी समस्याओं का समाधान

जैसा चाहो करके दुगुा

कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहवलेथ, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपटी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनवाही इच्छा

A to Z समस्या का समाधान

स्पेशलिस्ट: मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह

पंडित पी. के. शारसी

हमारे किये हुए काम

को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मंगा ईनाम।

काम ना होने पर पैसे वापस +91 99974 92579

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मे़ष
आज आपकी राशि में सूर्य, बुध, मंगल आदि ग्रहों का प्रभाव है। नई योजनाओं पर अमल करें, लेकिन जल्दबाजी से बचें। खरीदारी से खुशी मिलेगी।

वृष
संपति या खरीदारी संबंधी फैसले फायदेमंद साबित होंगे। परिवार के साथ समय बिताएं, रोमांस में मिठास आएगी।

मिथुन
संचार और विचारों में तेजी आएगी। नए संपर्क बनेंगे, लेकिन निर्णय लेते समय सावधानी बरतें। यात्रा या छोटे कामों में सफलता मिल सकती है।

कर्क
आज आंतरिक शांति और भावनात्मक संतुलन पर जोर रहेगा। परिवार से संबंध मजबूत होंगे। करियर में थोड़ी चुनौतियां या सक्ती हैं, लेकिन धैर्य रखें।

सिंह
ऊर्जा और आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व के अवसर मिलेंगे। करियर में प्रगति संभव, लेकिन टीम वर्क पर ध्यान दें। प्रेम में रोमांस फलेगा।

कन्या
व्यवस्थित दिन रहेगा। काम की बारीकियों पर फोकस करें, सफलता मिलेगी। वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें। प्रेम में समझदारी दिखाएं।

तुला
धन संबंधी फैसले सकारात्मक रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। सामाजिक गतिविधियां बढ़ेगी।

वृश्चिक
गहन विचार और रहस्यों में रुचि बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में सतर्क रहें, लेकिन निवेश के अवसर मिल सकते हैं। प्रेम में गहराई आएगी।

धनु
करियर में प्रगति, लेकिन योजना बनाकर आगे बढ़ें। धन लाभ संभव। प्रेम जीवन आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन अति सक्रियता से बचें।

मकर
व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। धन का प्रबंधन अच्छा करें। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन ठंड या थकान से सावधान रहें। दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं।

कुंभ
करियर में अप्रत्याशित अवसर आ सकते हैं। प्रेम में रोमांच रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य, लेकिन मानसिक शांति बनाएं रखें। दोस्तों से मदद मिलेगी।

मीन
भावनात्मक गहराई आज बढ़ेगी। आध्यात्मिक रुचि बढ़ सकती है। करियर में सावधानी बरतें, छोटी चुनौतियां आ सकती हैं। धन पर नियंत्रण रखें।

डीजीएफटी ने विदेश व्यापार नीति, 2023 में किया संशोधन

तीन लाख के निर्यात खेप के लिए

पंजीकरण प्रमाणपत्र जरूरी नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नए और छोटे निर्यातकों पर अनुपालन का बोझ कम होगा

पहले अतिरिक्त अनुपालन का बोझ पड़ता था

इससे उन पर अतिरिक्त अनुपालन का बोझ पड़ता था। मंत्रालय ने कहा, ‘डीजीएफटी ने विदेश व्यापार नीति, 2023 में संशोधन किया है। इसके तहत अब तीन लाख रुपये तक एफओबी (जहाज पर लदान कीमत) मूल्य वाली निर्यात खेप के लिए आरसीएमसी या पंजीकरण प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी, जबकि पहले यह अनिवार्य था।’ हालांकि, तीन लाख रुपये से अधिक मूल्य वाले निर्यात माल के लिए वैध आरसीएमसी की जरूरत बनी रहेगी।

छूट से निर्यात लेनदेन को बढ़ावा मिलेगा

वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के आंकड़ों से पता चलता है कि तीन लाख रुपये तक के निर्यात माल की खेपों की संख्या कुल निर्यात दस्तावेजों में 43 प्रतिशत है, लेकिन कुल वस्तु निर्यात मूल्य में इनकी हिस्सेदारी केवल 0.86 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा कि इस छूट से बड़ी संख्या में छोटे मूल्य के निर्यात लेनदेन को लाभ मिलेगा, जबकि कुल निर्यात मूल्य पर इसका असर मामूली रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश आसान होगा

इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई), कारीगरों, छोटे कारोबारियों और पहली बार निर्यात करने वालों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश आसान होगा।

बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 333 अंक चढ़ा

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कारोबारी सत्र में गिरावट के बाद निवेश स्तर पर लिवाली से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी आई। बैंक शेयरों की अगुवाई में मानक सुचकांक बीएसई सेंसेक्स 333 अंक चढ़ा जबकि एनएसई न्पिटी 23,200 अंक के पार चला गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 332.63 अंक चढ़कर 74,336.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 502.04 अंक की तेजी के साथ 74,505.86 अंक तक पहुंच गया था। निपटी भी 99 अंक की बढ़त के साथ 23,217.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, टैट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व शामिल हैं। एचएसटी वैल्यू के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हरिसेल्वन राधाकृष्णन ने कहा, ‘मंगलवार की तेज गिरावट के बाद बैंक शेयरों और कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली से शेयर बाजार में कुछ तेजी आई।

दूरदर्शन ने मनाया 67वां स्थापना दिवस

नई दिल्ली। भारत के प्रतिष्ठित लोक सेवा प्रसाक दूरदर्शन ने अपने 67वें स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित दूरदर्शन भवन में संगीत, नृत्य और मनोरंजन से सजी एक विविध शम का आयोजन किया। इस समारोह में दूरदर्शन की छह दशकों से अधिक की गौरवशाली यात्रा और देश की पीढ़ियों के साथ उसके अटूट जुड़ाव का उत्सव मनाया गया। इस वर्ष स्थापना दिवस समारोह की थीम कल भी अपना, आज भी अपनाइए रही, जो दूरदर्शन की उस समृद्ध विरासत को दर्शाती है, जिसने वर्षों से देशवासियों को जोड़े रखा है और बदलते भीड़िया परिदृश्य में भी अपनी विशेष पहचान कायम रखी है। समारोह का प्रमुख आकर्षण प्रसिद्ध गायिका उषाति नूनन की विशेष संगीतमय प्रस्तुति रही, जिसने अपनी दमदार और मधुर आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अजंता कनेक्ट 2026 में नई कलेक्शन, स्मार्ट थू इनोवेशन व फुटवियर के भविष्य की झलक

कोलकाता। अपनी गौरवशाली 70 वर्षों की विरासत का जश्न मनाते हुए अजंता शूज ने कोलकाता स्थित टी सी रॉयल बंगाल में अजंता कनेक्ट 2026 का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर अजंता शूज के चेयरमैन सुब्रत बानिक, रागिनक बानिक (एमडी), जयदेव चटर्जी (डायरेक्टर), धर्मेवीर जैन (वाइस प्रेजिडेंट सेल्स एंड मार्केटिंग), पार्थ दास गुप्ता (जनरल मैनेजर सेल्स) तथा कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एक भव्य अवार्ड समारोह रहा, जिसमें कंपनी के सम्मानित डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और चैनल पार्टनर्स को उनके महत्वपूर्ण योगदान और साझेदारी के लिए सम्मनित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अजंता शूज की नयी फेरिक्ट कलेक्शन का भी भव्य अनावरण किया गया। आधुनिक उपमेक्ताओं की बदलती पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई इस नई कलेक्शन में यूनिक, समकालीन और प्रीमियम रेंज के फुटवियर पेश किए गए हैं कंपनी के एथेलएस्पोर बांड इम्पेक्टो ने भी इस अवसर पर अपना नया लुक बुक लॉन्च किया। इसमें स्नोर्कर्स, बेयरफुट, रनिंग और लाइफस्टाइल फुटवियर की एक नई स्टेटमेंट कलेक्शन प्रस्तुत की गई।



तिरुमला। हरी झंडी दिखाते आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू।

तिरुमला को 25 इलेक्ट्रिक बसें रिलायंस फाउंडेशन ने दीं

तिरुमला। तिरुमला आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा को ज्यादा आरामदायक और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को 25 इलेक्ट्रिक बसें सौंपी हैं। साथ ही इन बसों के लिए एक अलग इंदी चार्जिंग स्टेशन भी दिया गया है। बसों को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हरी झंडी दिखाई। नई बसों से हर साल तिरुमला आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का एक और विकल्प मिलेगा। साथ ही पेट्रोल-डीजल से चलने वाली गाड़ियों पर निर्भरता भी कम होगी। यह सौगत ऐसे समय आई है जब तिरुमला में बस्मोत्सव का दौर चल रहा है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

बीआईएस की पहल से देशभर में कपास रेशा परीक्षण ढांचा मजबूत



नई दिल्ली। भारत के कपड़ा और कृषि क्षेत्र को मजबूती देने के उद्देश्य से भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने देशभर में कपास रेशा परीक्षण के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की राष्ट्रीय परियोजना शुरू की है। उपमेक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मानक निकाय के रूप में कार्यरत बीआईएस महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केंद्रों पर उच्च-सटीकता वाली परीक्षण सुविधाएं विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। बीआईएस की महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परीक्षण सुविधाओं के निर्माण एवं विस्तार के लिए अन्य प्रयोगशालाओं को सहायता देने की योजना के तहत 38.72 करोड़ रुपये की इस परियोजना को भारत सरकार के उपमेक्ता मामले विभाग की मंजूरी मिली है। परियोजना के तहत प्रमुख कपास उत्पादक क्षेत्रों में स्थित वस्त्र समिति, पावरलूम सेवा केंद्रों और भारतीय कपास निगम की 21 प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण किया जाएगा। परियोजना के तहत 22 उच्च क्षमता वाले परीक्षण यंत्र और 44 कवरड विलेक्ज स्ट्राफिट किए जाने हैं।

पंचकर्मा एवं हॉलिस्टिक हीलिंग सेंटर का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। अतिथि हेल्थकेयर के नए पंचकर्मा एवं हॉलिटिस्टिक हीलिंग सेंटर का उद्घाटन दिल्ली के मेयर प्रदीप वाही से डिप्टी मेयर डॉ. मोनिका पंत ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी राकेश गुप्ता एवं अन्य अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, इस केंद्र में जोड़ों की समस्याओं, इनफर्टिलिटी, डायबिटीज, हाइपोथायरॉइडिजम एवं लाइफस्टाइल से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं।

आईसीएफआई टीम ने परिणाम आधारित शिक्षा को अधिक विद्यार्थी-केंद्रित बनाया

हैदराबाद। आईसीएफआई के संकाय सदस्यों की एक टीम ने परिणाम-आधारित शिक्षा को अधिक सूक्ष्म, छात्र-केंद्रित और व्यावहारिक बनाने के लिए एआई/एमएल आधारित आर्किटेक्चर विकसित किया है, जो वर्तमान में संस्थानों द्वारा अपनाया जा रहे मुख्य रूप से मान्यता-आधारित परिणाम मापन दृष्टिकोण से आगे बढ़कर एक नया आयाम प्रदान करता है। "एक मूलभूत ऑनलाइन एमबीए पाठ्यक्रम में अधिगम परिणामों की सूक्ष्म गणना के लिए एआई/एमएल आर्किटेक्चर के उपयोग का अन्वेषण" शीर्षक वाला यह शोध कार्य, 17-20 अगस्त, 2026 को जर्मनी के बैबेन में आयोजित शैक्षिक प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर प्रसाद आर द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सम्मेलन में 54 देशों से 500 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुए और लगभग 900 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे शैक्षिक प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और अभ्यास के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध हुआ। इस परियोजना को राकेश पी., सुनीता यू. एल. और प्रसाद आर. ने संयुक्त रूप से माध्यता अनुपालन से लेकर अधिगम में सुधार तकविकसित किया है।

बाएँ से दाएँ

- 1.आरोपित, तथाकथ्य-5
- 4.प्रलय, वज्रपात-4
- 7.परिमाण, माप-2
- 8.प्लेट,तश्तरी-3
- 9.धीमा हुआ-2
- 10.वेश्या, गणिका-4
- 11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पदार्थ-2
- 13.अपवित्र (उर्दू-3)
- 14.दान करने वाला-2
- 15.आंचल-3
- 17.पंख-2
- 19.चाहे जो भी हो -5
- 22.अनूठापन,विचित्रता-5
- 25.उम्मीद,आस-2
- 26.अनाशवान,अक्षय-3
- 28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
- 29.बंदर, मकंद-3
- 30.सम्मान, आदर-2
- 32.करामात,करिश्मा-4
- 34.नवीन,नव-2

36.नसीरुद्दीन और अर्चना

- पूरणसिंह की फिल्म-3
- 37.शारीरिक ऊँचाई-2
- 38.भाय,लक-4
- 39.रावण,दर्शानन-5

ऊपर से नीचे

- 1.तपस्या-2
- 2.कॉफी-3
- 3.तरफदारी करनेवाला-5
- 4.जन जाति, झुंड-3
- 5.वोट-2
- 6.बढ़ई,खाती-4
- 7.जो मुनासिब न हो-5
- 10.भाय्य (उर्दू-4)
- 12.प्रतिज्ञा,वचन-2
- 16.राजा,राजन-3
- 17.क्षम-2
- 18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
- 20.रनिवास (उर्दू-3)
- 21.तुकसान,घाटा-2
- 22.रजनी, रात्रि-2
- 23.अनुपम,बेजोड़-4

खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, स्वामी रामदेव ने डाली कबड्डी में रेड भारतीय शिक्षा बोर्ड के राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का हरिद्वार से हुआ आगाज

हरिद्वार। भारतीय शिक्षा बोर्ड अंतर्गत द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के प्रथम चरण का समापन आचार्यकुलम हरिद्वार के दिव्य और भव्य इंडोर स्टेडियम में हुआ। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पहले चरण का शुभारंभ स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में आचार्यकुलम के 100 करोड़ से निर्मित इंडोर स्टेडियम में कबड्डी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, फुटबाल और रसेलिंग में देश के कई प्रांतों से आये खिलाड़ियों ने जमकर अपना दमखम दिखाया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के शुभारंभ के दौरान दिलचस्प पहलू देखने को यह मिला कि स्वामी रामदेव ने भी कबड्डी में रेड की। द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का अगला चरण वाराणसी, प्रयागराज,



बुलंदशहर, दिल्ली और हापुड़ में होगा। राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का समापन 25 अक्टूबर को होगा।भारतीय शिक्षा बोर्ड अंतर्गत दूसरे राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आगाज 14 और 15 सितंबर को आचार्यकुलम हरिद्वार में हुआ। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्ष दिया।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.95 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। रुपया बुधवार को लगातार सातवें कारोबारी सत्र में कमजोर रहा और सात पैसे टूटकर 95.95 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और विदेशी पूंजी की निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी ने रुपये की गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.89 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.85 से 95.98 प्रति डॉलर के दायरे में रहा।

आईडीपीडी द्वारा अंतरिक्ष के हथियारीकरण का विरोध

नई दिल्ली। एक बयान में इंडियन डॉक्टर्स फॉर पीस एंड डेवलपमेंट ने अंतरिक्ष को युद्ध का मैदान बनाने की कोशिश को बेहद खतरनाक और मानवता-विरोधी करार दिया है। अमेरिका ने अंतरिक्ष में हथियार तैनात करने की पुष्टि की है। आज दुनिया पहले ही कई युद्धों की मार झेल रही है, जिनके कारण मानवता एक गंभीर संकट की ओर बढ़ रही है। अंतरिक्ष तक मानव की पहुंच विज्ञान की एक महान उपलब्धि है। इसका उपयोग मानवता के कल्याण तथा वैज्ञानिक अनुसंधान से प्राप्त होने वाले लाभों को बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए। लेकिन यदि इस प्रकार अंतरिक्ष में हथियार तैनात किए जाते हैं, तो युद्ध के खतरे और ह्रासके विनाशकारी परिणाम कई गुना बढ़ जाएंगे। अंतरिक्ष में परिक्रमा कर रहे उपग्रह हर समय संभावित निशाने बन रहेंगे, जिससे मानव जीवन के लिए लाभदायक अनेक गतिविधियाँ खतरे में पड़ जाएंगी।

बीएचईएल ने टीआरएसएल के साथ संयुक्त उद्यम समझौता किया

नई दिल्ली। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) ने आपूर्ति किए जाने वाले बड़े भारत स्टीपर ट्रेनसेट के व्यापक रखरखाव हेतु एक 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त उद्यम समझौता (जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट) किया है। बानो वसू, निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद), बीएचईएल, एस एम रामनाथन, निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास), बीएचईएल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में बीएचईएल की ओर से सश्यामला और टीआरएसएल की ओर से अनिल कुमार अग्रवाल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

सेवा का संकल्प, सशक्त भारत का संकल्प

नई दिल्ली। किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसके आर्थिक विस्तार अथवा वैश्विक प्रभाव से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होता है कि वह समाज के प्रत्येक वर्ग की गरिमा, समान अवसर, अधिकारों और अंतर्निहित क्षमताओं को किस सीमा तक सुनिश्चित करता है। भारतीय संस्कृति में 'सेवा' सदैव लोककल्याण, संवेदनशीलता और सामूहिक उत्तरदायित्व का मूल आधार रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस, 17 सितम्बर को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाते हुए तथा 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ करते हुए, हम इसी राष्ट्रीय सेवा-मानना को नई ऊर्जा और व्यापक जन्मगोदारी के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प ले रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने दिव्यांगजनों की गरिमा, अधिकारों, समान अवसर, सामाजिक समावेशन और आत्मनिर्भरता को अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं के केंद्र में रखा है।

24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5	25.आनंद फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4	27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3	33.बेचैनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लदाख में पाया जानेवाला बंद जैसा एक जानवर-2	37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली - 6349 का हल

ल	जा	म	अ	त	र	व	त	र
ल	त	म	स	ह	म	ला	ल	लै
क	श	क	हा	नी	का	र	र	र
ब	द	मा	श	र	च	म	का	ना
र	त	ज	ल	क्ष	सी	का	म	या
र	र	ना	ना	स	यु	र	च	व
ज	ह	म	म	च	क	म		
ह	त	ना	व	पा	य	ल	ई	
त	ल	ब	जा	र	ब	व	ल	वा

शब्द पहेली - 6349 का हल

ल	जा	म	अ	त	र	व	त	र
ल	त	म	स	ह	म	ला	ल	लै
क	श	क	हा	नी	का	र	र	र
ब	द	मा	श	र	च	म	का	ना
र	त	ज	ल	क्ष	सी	का	म	या
र	र	ना	ना	स	यु	र	च	व
ज	ह	म	म	च	क	म		
ह	त	ना	व	पा	य	ल	ई	
त	ल	ब	जा	र	ब	व	ल	वा

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से बरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110085 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.सं.	टेंडर सं	विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1.	93266135	साथ में दिए गए स्पेसिफिकेशन्स के अनुसार इंडस्ट्रियल एकोस्टिक इमेजर	02 नग	15.10.2026

निविदा शर्तों-1, विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर उची जा सकती है। 2. मैन्युअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। टेंडर नोटिस सं:-93266135 दिनांक: 16.09.2026

याहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3198/26

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEERPUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W. in new Registration system (unified Registration system) for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
78/SE E/M/2026-27 (I Call) System Tender No. 199219	REFURBISHMENT OF ESCALATOR, INSTALLATION, TESTING AND COMMISSIONING FOR SKY WALK WORK AT SHASTRJI CHOWK RAIPUR (C.G.)	199.00 Lacs

Date of bid submission 30.09.2026 The tender documents can be downloaded from the web-portal <http://eproc.cgstate.gov.in>. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

Superintending Engineer P. W. D. (E & M) Circle Raipur (C. G.)

G-262703287/14

उत्तर रेलवे

ई-निविदा (ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एनआईटी: 40, 41, 43, 44, 45, 46, 47-2026-27-उत्तर-4

1. काम का नाम (स्थान के साथ)
 - SSEW/ROK के अंतर्गत DLI-BTI सेक्शन में स्टाफ क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग का रखरखाव के लिए 30.06.2027 तक की अवधि के लिए वार्षिक जोन का काम।
- कार्य की सामान प्रकृति: ट्रेक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य
- SSEW/JHL के अंतर्गत DLI-BTI सेक्शन में स्टाफ क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग के लिए 30.06.2027 तक की अवधि के लिए वार्षिक जोन का काम।
- कार्य की सामान प्रकृति: ट्रेक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य
- SSEW/जीके के अंतर्गत ब्रांच लाइन JHI-SNP सेक्शन में स्टाफ क्वार्टर और सर्विस बिल्डिंग के रखरखाव

16 से 18 सितंबर तक होगी यह यात्रा, जिससे मजबूत होगी सैन्य सहयोग और रक्षा साझेदारी

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट और यूक्रेन युद्ध के जटिल वैश्विक हालातों के बीच सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ बुधवार से रूस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना हो गए हैं।

जिसका वास्तविक उद्देश्य भारत, रूस के बीच लंबे समय से मौजूद रक्षा साझेदारी और सैन्य सहयोग को पहले की तुलना में और अधिक मजबूती प्रदान करना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक,



जनरल सेठ की यह मास्को यात्रा 16 सितंबर से शुरू होकर औपचारिक रूप से 18 सितंबर को समाप्त होगी। यहां बता दें कि हालिया समय में बतौर सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद जनरल सेठ की यह पहली रूस यात्रा है।

उनसे पहले बीते दिनों विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने भी रूस की यात्रा की थी। वहीं, इस साल के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों देशों के बीच क्रमवार रूप से आयोजित की जाने वाली वार्षिक शिखर बैठक में शामिल होने के लिए रूस

की यात्रा कर सकते हैं।

रूसी सेनाप्रमुख संग होगी बैठक

मंत्रालय ने ये भी बताया कि इस यात्रा में भारतीय सेनाप्रमुख अपने समकक्ष और रूस की सेना के कमांडर-इन-चीफ कर्नल जनरल आंद्रेई निकोलायेविच मोर्दविचेव के साथ मुलाकात करेंगे। जिसमें सैन्य सहयोग और प्रशिक्षण के साथ-साथ दोनों देशों के पारस्परिक हितों से जुड़े हुए मुद्दों पर भी विचार-विमर्श

किया जाएगा। बातचीत की शुरुआत के पूर्व में हालांकि जनरल सेठ को रूस की सेना की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। वह मास्को में अज्ञात सैनिकों के स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

यात्रा में शामिल होंगे यह अहम स्थान

सेनाप्रमुख मास्को, सेंट पीटर्सबर्ग का दौरा करेंगे। मास्को में वह राष्ट्रीय रक्षा नियंत्रण केंद्र में जाएंगे। जहां पर वह रूस के रक्षा

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे और उसमें मुख्य रूप से रक्षा उद्योग, खरीद से जुड़े मामलों के प्रभारी उप-रक्षा मंत्री वासिली सर्गेयेविच ओस्माकोव भी शामिल होंगे।

यह तमाम मुलाकातें दोनों पक्षों को सैन्य घटनाक्रमों पर मंथन करने व रक्षा सहयोग को भविष्य में और अधिक आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती हैं। इन सबसे इतर जनरल धीरज सेठ सेंट पीटर्सबर्ग भी जाएंगे। वहां मिखाइलोव्काया मिलिट्री आर्टिलरी

अकादमी का वो दौरा करेंगे। अकादमी के नेतृत्व और संकाय से उनकी बातचीत होगी।

इस यात्रा का महत्व

सेनाप्रमुख की यह रूस यात्रा दोनों देशों के बीच मौजूद सतत सैन्य कूटनीति तथा आपसी सैन्य संपर्क के महत्व को प्रदर्शित करती है। इसकी मदद से सैन्य सहयोग को गहराई प्रदान करने, भारत-रूस दीर्घकालिक सैन्य संबंधों को मजबूती मिलने की संभावना है।

खबर संक्षेप

सूडान में सोने की खदान ढहने से 67 की मौत

खार्तूम। सूडान के वेस्ट कोर्डोफान प्रांत के नुहुद शहर स्थित अल-जारा सोने की खदान ढहने से बड़ा



हादसा हो गया। हादसे में कम से कम 67 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। यह जानकारी एक चिकित्सा समूह और हादसे में बचे लोगों ने बुधवार को दी। खदान मंगलवार दर रात अचानक ढह गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मलबे के नीचे दब गए।

231 किलोग्राम नशे की गोलियां जब्त, 3 अरेस्ट

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय ने असम और त्रिपुरा के कई इलाकों में खुफिया सूचना के आधार पर नशीली दवाओं मेथामफेटामाइन की सबसे बड़ी बरामदगी की है। जब्त का मूल्य सैकड़ों करोड़ रुपए में है। डीआरआई अधिकारियों ने बैन पदार्थ और वाहन को जब्त कर चालक सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

विमान का हवा में टायर फटा, सभी यात्री सुरक्षित फटा, सभी यात्री सुरक्षित

मशहद। ईरान के मशहद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान का



हवा में ही एक टायर फट गया। सेफरान एयरलाईंस के बोइंग 737 विमान

के टायर फटने के बाद इंजन को भी नुकसान पहुंचा। इसके चलते पावेल्ट ने विमान को सुरक्षित वापस मशहद ले जाने का फैसला किया।

दोहरे भूकंप से सहमा नेपाल, कोई हानि नहीं काठमांडू। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बुधवार तड़के दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों भूकंप के बाद तत्काल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। पहला भूकंप स्थानीय समयानुसार करीब रात 1:51 बजे आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई।

काठमांडू। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बुधवार तड़के दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों भूकंप के बाद तत्काल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। पहला भूकंप स्थानीय समयानुसार करीब रात 1:51 बजे आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई।

सीमा पार से हथियार, विस्फोटक व मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप, युवाओं और स्थानीय अपराधियों को आतंकवाद की ओर धकेला

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को राजपत्र अधिसूचना जारी कर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए की धारा 35(1)(ए) के तहत संगठन को अधिनियम की पहली अनुसूची में शामिल किया। इसके साथ ही शहजाद भट्टी नेटवर्क इस सूची में 46वां आतंकवादी संगठन बन गया है। अधिसूचना में केंद्र सरकार ने कहा है कि संगठन आतंकवाद में शामिल है और भारत में आतंकवाद की विभिन्न घटनाओं में इसकी भागीदारी रही है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, नेटवर्क का उद्देश्य युवाओं और स्थानीय अपराधियों को अपने साथ जोड़कर सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी कराना है। मंत्रालय ने कहा कि इसकी गतिविधियां देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सांप्रदायिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं। नेटवर्क पर हिंसक गतिविधियों के साथ डिजिटल माध्यमों के जरिए भड़काऊ और नफरत फैलाने वाली सामग्री प्रसारित करने का भी आरोप है।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी जानकारी

सऊदी अरब के मक्का के पास हुए ड्रोन हमलों पर भारत ने जताई चिंता

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के मध्य भारत ने बुधवार को सऊदी अरब के पवित्र मक्का शहर पर हुए ड्रोन हमलों को लेकर गंभीर रूप से चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले पर मीडिया द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि नई दिल्ली ने मक्का पर हुए ड्रोन हमलों को लेकर न केवल अपनी चिंता व्यक्त की है। बल्कि यह उम्मीद भी जताई है कि क्षेत्र में जल्द से जल्द शांति और स्थिरता बहाल होगी। उधर, सऊदी अरब ने कहा है कि हमले की इस घटना को हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है।

दोहराया शांति को लेकर भारत का पक्ष

उन्होंने कहा कि यह घटना इस लिहाज से भी चिंता को बढ़ाने वाली है। क्योंकि मक्का शहर दुनियाभर के मुसलमानों के लिए भी खास महत्व रखता है। रणधीर ने मामले पर भारत के पक्ष को एक बार फिर दोहराते हुए कहा कि नई दिल्ली, सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर किए जाने वाले हमलों, नागरिकों और बुनियादी ढांचों को संकट में डालने वाली तमाम कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करती है। गौरतलब है कि पूर्व समय में क्षेत्र में चल रहे युद्ध के बीच शांति स्थापित करने के लिए भारत ने सभी भागीदार पक्षों से बातचीत और कूटनीति के मार्ग पर लौटने की अपील की थी।

चीन-पाकिस्तान के बीच नहीं कोई सीमा, भारत ने खारिज किया दोनों के संयुक्त आयोग का दावा

भारत ने बुधवार को चीन और पाकिस्तान की तरफ से गठित संयुक्त आयोग के दावे को दो टूक अंदाज में खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि दोनों देशों के बीच कोई सीमा नहीं है। हम संयुक्त आयोग के दावे को पूरी तरह से नकारते हैं। क्योंकि इसका कोई कानूनी आधार नहीं है।

रणधीर ने यह भी कहा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का समूचा केंद्रशासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। जिसे देखते हुए पाकिस्तान द्वारा इलाके पर किए गए अवैध कब्जे वाले इलाकों को लेकर कोई व्यवस्था करने का कानूनी अधिकार नहीं है।

नई दिल्ली ने 1963 के चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कभी मान्यता नहीं दी है। वर्तमान में भी हम इसे एक बार फिर से स्पष्ट कर रहे हैं। इस तरह की सभी कोशिशों भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखण्डता पर अतिक्रमण के समान है। इस तरह के दिखावे में शामिल होने की जगह पर पाकिस्तान से हम यह कहना चाहेंगे कि वह अपने अवैध और बलपूर्वक कब्जा किए गए क्षेत्रों को तत्काल खाली करे।

नई दिल्ली की दो टूक, अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पाक नौसैन्य इकाइयों का गैर-पेशेवर आचरण

नौसेना के युद्धपोत को पाकिस्तानी जहाज ने जानबूझकर मारी टक्कर, उच्चायुक्त को तलाब कर जताया विरोध

■ **दिलाई 1991 के समझौते की याद, जिसके अनुच्छेद-10 का पाकिस्तान ने किया उल्लंघन**
■ **टक्कर से युद्धपोत और उसमें सवार कर्मियों को नहीं पहुंचा कोई नुकसान**

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बना हुआ तनाव आज भी जस का तस बरकरार है। ताजा उदाहरण बीते मंगलवार शाम उत्तरी अरब सागर में भारतीय नौसेना के एक जंगी युद्धपोत को पाकिस्तानी नौसेना के अपतटीय गरती जहाज (ओपीवी) पीएनएस हुनैन द्वारा अकारण मारी गई टक्कर की घटना से जुड़ा हुआ है। जिसमें हालांकि युद्धपोत व उसमें सवार कर्मियों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। लेकिन विषय की गंभीरता को भांपते हुए बिना वक्त गंवाए, विदेश मंत्रालय ने बुधवार को नई दिल्ली में पाकिस्तान के कार्यवाहक उच्चायुक्त (चार्ज-डी-अफेयर्स) को तलाब कर बेहद सख्त अंदाज में न केवल विरोध जताया है। बल्कि साफ शब्दों में उन्हें यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पड़ोसी दुश्मन देश की नौसैन्य इकाइयों के गैर-पेशेवर आचरण को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

1991 के समझौते का किया उल्लंघन

मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया, घटना का संबंध वैश्विक जलक्षेत्र से है।



लेकिन इसमें भारतीय पोत को कोई क्षति नहीं पहुंची है। लेकिन यहां ध्यान देने वाली एक बात यह है कि पाकिस्तान के नौसैन्य जहाज का व्यवहार दोनों देशों के बीच करीब 35 साल पहले 1991 में हुए एक समझौते के अनुच्छेद-10 का सीधा-सीधा उल्लंघन है। जिसमें दोनों को सैन्य अभ्यासों, युद्धाभ्यासों और सैनिकों की आवाजाही को लेकर पूर्व सूचना साझा करने की बात कही गई है। ये समझौता दोनों नौसेनाओं के युद्धपोतों, पनडुब्बियों के लिए सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देश तय करता है। साथ ही इसमें यह भी स्पष्ट किया गया है कि समुद्र में दोनों के जहाजों के बीच कम से कम 3 समुद्री मील यानी 5.6 किलोमीटर की दूरी अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। जिससे किसी तरह दुर्घटना की कोई गुंजाइश न रहे।

मतिष्य में न हो ऐसी घटनाएं

पाकिस्तानी उच्चायुक्त को भारत ने यह सलाह भी दी कि इस मामले पर वह तत्काल अपने देश के संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। दोनों देशों



के बीच हुए समझौतों के प्रावधानों का भी सम्मान किया जाना चाहिए। इसके अलावा भारत के इस्लामाबाद में तैनात कार्यवाहक उच्चायुक्त डॉ.सत्यांजल पांडे को यह निर्देश दिया गया है कि वह पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष भी इस मामले को कड़े अंदाज में रखते हुए विरोध दर्ज कराएं।

बार-बार दी चेतावनी, किया अनसुना

रक्षा सूत्रों ने बताया, पिछले 15 सितंबर की शाम उत्तरी अरब सागर में पाकिस्तान की नौसेना का एक जहाज वहां पहले से अपने नियमित निगरानी अभियान पर तैनात भारतीय नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत के एकदम करीब आ गया था। समुद्री रेडियो के चैनल-16 पर जहाज को कई बार चेतावनी दी गई। जिसे अनसुना करते हुए पाकिस्तानी जहाज ने अचानक अपनी गति को बढ़ाते हुए दाहिनी दिशा से भारतीय पोत के आगे से कटते हुए निकलने की कोशिश की। इस दौरान उसका अगला भाग मामूली सा युद्धपोत से टकरा गया। जिससे पोत को संरचनात्मक रूप से कोई नुकसान नहीं

ट्रैक की कुल ऊंचाई 5,578 मीटर, दूरी थी 250 किलोमीटर-जिसे 30 दिनों में किया पार

एनसीसी की महिला कैडेटों की शानदार उपलब्धि, पार किया अपराजिता-परांग ला ट्रैक

हरिभूमि ब्यूरो►►नई दिल्ली

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की 20 महिला कैडेटों ने 16 सितंबर को वह सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। जिसे सुनकर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा। वहां हम बात कर रहे हैं, अपराजिता-परांग ला-2026 ट्रैक की। जिसे कोर की कैडेटों ने मौसम संबंधी तमाम कड़ी चुनौती के बावजूद सफलता के साथ पूरा किया है। एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल बीरेंद्र वत्स ने कैडेटों और बाकी कर्मियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा, इस तरह की गतिविधियां युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, समूह में कार्य करने की भावना और सहनशीलता को बढ़ावा देने में मददगार हैं।

अत्यधिक ऊंचाई वाला अभियान: रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि अभियान का संबंध हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ने वाले और समुद्रतल से कुल 5 हजार 578 मीटर की ऊंचाई पर किसी संगठन का नाम शामिल होने के बाद वह कानून के तहत औपचारिक रूप से 'आतंकवादी संगठन' के रूप में नामित हो जाता है। शहजाद भट्टी नेटवर्क को अधिसूचना में नेटवर्क से जुड़े कैडेटों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, आर्म्स एक्ट, यूएपीए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और इमिग्रेशन एंड फोरिनेस एक्ट के तहत दर्ज मामलों का भी उल्लेख किया गया है।

अमित शाह ने कहा- आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए गृह मंत्रालय ने शहजाद भट्टी नेटवर्क को अधिसूचना में नेटवर्क से जुड़े कैडेटों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, आर्म्स एक्ट, यूएपीए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और इमिग्रेशन एंड फोरिनेस एक्ट के तहत दर्ज मामलों का भी उल्लेख किया गया है।



घाटियों के साथ-साथ ऊंचाई वाले इलाकों से होकर गुजरें। रक्षा मंत्री ने 18 अगस्त को दिखाई हरी झंडी: इस अभियान को दरअसल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले महीने 18 अगस्त को नई दिल्ली से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। जबकि इसके समापन के अवसर पर लद्दाख के करजोक में एनसीसी महानिदेशक और मंत्रालय में अपर सचिव श्रीमती दीपिन्ना मोहिल चवला ने दल का स्वागत किया। अभियान में एनसीसी की कैडेटों के अलावा सशस्त्र सेनाओं की महिला अधिकारी, प्रशिक्षक, चिकित्सा कर्मचारी और सहायक कर्मियों की मौजूदगी रही। मंत्रालय के मुताबिक, यह अभियान युवा महिलाओं को साहसिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित करता है। जिसे अत्यधिक ऊंचाई वाले हालातों से अवगत कराने के मकसद से किया गया था। साथ ही यह अभियान ही था जिसके जरिए एनसीसी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से कैडेटों को एक साथ लाकर राष्ट्रीय एकता को भी मजबूत करने की कवायद की है।

